कमल संदेश

ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक

संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य

सत्यपाल

कला संपादक

विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100/-
त्रि वार्षिक : 250/-

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qku (dk-) : +91(11) 23381428
QDl : +91(11) 23387887
पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल
kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय-सूची

संगठनात्मक गतिविधियां

स्वाभिमान सम्मेलन, लखनऊ (उ.प्र.)........ 6
स्थानीय निकाय चुनाव........ 7
अमित शाह ने किया बिंद बस्ती में दलितों के साथ भोजन........ 8

सरकार की उपलब्धियां

भारतीय अर्थव्यवस्था में तीव्र उछाल........ 9
2016-17 के लिए धान का समर्थन मूल्य 60 रुपए बढ़ा........ 10
प्रधानमंत्री ने सोनीपत में तीन राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी.. 12

वैचारिकी

एकात्म मानववाद : एक अध्ययन
पी. परमेश्वरन्........ 12

श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि : डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी........ 14

भाजपा अध्यक्ष का प्रवास

इलाहाबाद (उ.प्र.)........ 16
तेलंगाना........ 17
पोर्ट ब्लेयर........ 19
पुणे, महाराष्ट्र : कौशल विकास अभियान समारोह........ 20

अन्य

विकास पर्व महारैली , सहारनपुर (उ.प्र.)........ 22
प्रधानमंत्री की पांच देशों की ऐतिहासिक यात्रा........ 25

फेसबुक

सोशल मीडिया से...

twitter

श्री नरेंद्र मोदी

विकास - यही मेरा सपना है, यही मेरा रास्ता है, यही मेरी मंजिल है, यही मेरा मकसद है, यही मेरी ताकत है।

श्री अमित शाह

उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा दलितों के नाम पर सिर्फ और सिर्फ राजनीति करती है, दलितों की चिंता ना तो सपा को है और ना ही बसपा को। जब सपा की सरकार आती है तो दलितों का उत्पीड़न किया जाता है और जब बसपा आती है तो दलितों का उपयोग किया जाता है।

श्री धर्मेंद्र प्रधान

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से माताओं और बहनो को लकड़ी व उपलों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, साथ ही धुएं से होने वाली बीमारियों से भी निजात मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत मिलने वाले गैस कनेक्शन से न सिर्फ घरेलू बल्कि पर्यावरण का भी प्रदूषण कम होगा।

श्री रविशंकर प्रसाद

हमारी सरकार ने राजपत्रित अधिकारी द्वारा दस्तावेजों के सत्यापन की प्रणाली को खत्म कर दिया और स्व-प्रमाणीकरण शुरू की क्योंकि हम अपने नागरिकों पर भरोसा करते हैं।

श्री प्रकाश जावडेकर

#bihartopperscam अच्छे छात्रों के बुरे दिन, बुरे छात्रों के अच्छे दिन, यही नीतीश-लालू का शिक्षा मंत्र।

श्री शिवराज सिंह चौहान

मैं निरंतर अन्नदाता और प्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हूं। संकट चाहे जैसा भी हो, हर विषमता से आपको बाहर निकाल कर लाएंगे।

पाथेय

सत्ता के साथ प्रतिष्ठा मिलती है, सम्मान मिलता है। अपना निजी स्वार्थ साधने का भी अवसर मिलता है। जब व्यक्ति और पार्टियां अपने उद्देश्यों से दूर हटकर स्वार्थ लिप्सा से प्रेरित होकर काम करना प्रारंभ कर देते हैं, वह अपने मूल उद्देश्यों को भूल जाते हैं। तब वह सत्ता जन हितकारी नहीं रहती, वह एक त्रासदी बन जाती है। वह निरंकुशता की तरफ बढ़ती जाती है।

हमारे लिये सत्ता कभी एकमात्र लक्ष्य नहीं रही, हमने सदा ही सत्ता को लक्ष्य की प्राप्ति का साधन समझा है और वह लक्ष्य जन-कल्याण है। हमारी सरकार इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये वचनबद्ध है। यदि सत्ता का जन-कल्याण के लिये न्यायसंगत उपयोग किया जाय, तो यह एक उदात्त अनुभव हो सकता है। व्यक्तिगत हितों को बढ़ावा देने के लिये सत्ता का उपयोग भ्रष्टकारी प्रभाव डालता है। हमें इससे सावधान रहना चाहिये।

- कुशाभाऊ ठाकरे

सम्पादकीय

सुनहरे भविष्य की ओर बढ़ता भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में केन्द्र में भाजपा नीत राजग सरकार ने अपने दो वर्ष पूरे करने के साथ ही पूरे देश को आशा एवं विश्वास से भर दिया है। एक ओर जब पूरा विश्व आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है, लगातार दूसरे वर्ष विश्व की सबसे तेज विकास दर वाली अर्थव्यवस्था के रूप में भारत एक आशा की किरण बनकर उभरा है। वित्तीय घाटा नियंत्रण में है और 'ईज ऑफ डूईंग बिजनेस' में भारत विश्व के शीर्षस्थ देशों में पहुंच गया है। भ्रष्टाचार के एक भी आरोप सरकार पर नहीं लगे और सुशासन के जबरदस्त रिकार्ड के साथ एक से बढ़कर एक अभिनव योजनाएं चार चांद लगा रही हैं। कार्य संस्कृति तथा नई तकनीक के उपयोग से पूरे विश्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास और भी अधिक सुदृढ़ हुआ है। अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक क्षेत्रों में बढ़ते मजबूत कदम से भारत की साख पूरे विश्व में बढ़ी है। आतंकवाद, काला धन एवं भ्रष्टाचार को विश्व के एजेंडे पर लाने में अग्रणी भूमिका निभाते हुए विभिन्न परियोजनाओं के दूरगामी असर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय उद्योग एवं व्यापार बढ़े हैं। लगभग हर क्षेत्र में भारत सुदृढ़ स्थिति बनाकर पूरे विश्व में मजबूत स्थिति में पहुंच चुका है।

पिछले दो वर्ष की उपलब्धियों को उस समय के वातावरण के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। अर्थव्यवस्था निराशापूर्ण माहौल में डूबी हुई थी, अनियंत्रित वित्तीय घाटा एवं महंगाई की मार से जनता त्रस्त थी। नीतिगत पंगुता के कारण स्थितियां भयावह हो गई थीं। हर दिन के घोटाले एवं भ्रष्टाचार से जनता त्राहिमाम करने लगी थी तथा कांग्रेस नीत यूपीए पर से सबका भरोसा उठ गया था। असल में पूरी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो चुका था तथा जनता के धन की लूट से लोगों का विश्वास शासन से डगमगा चुका था। जिस तरह से मात्र दो वर्ष में सरकार की विश्वसनीयता पुनर्स्थापित की गई है, इसे सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि कही जा सकती हैं। पिछली सरकार द्वारा भारी नुकसान किया गया था और यह नरेन्द्र मोदी की कड़ी मेहनत का ही फल है कि देश उस निराशापूर्ण माहौल से बाहर आ चुका है और आज सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर है। कोई भी इस बात से इंकार नहीं कर सकता कि देश में आज एक ऐसी सरकार है जो कड़े निर्णय ले सकती है, जिसने पूरे विश्व में भारत की छवि बदल डाली है और जिसका नेतृत्व दूरदृष्टि एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति से परिपूर्ण है। आज भारत बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम है।

यह आवश्यक है कि लोकहित के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाय। यह पहली बार है कि गांव, गरीब एवं किसान सरकार की उच्च प्राथमिकताओं में से एक है तथा वंचित एवं शोषित तबकों को सरकार से सीधी सहायता मिल रही है। 'विकास पर्व' आयोजित किया गया है, ताकि जन-जन को लोकहितकारी एवं गरीब हितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जा सके। लोग पूरे उत्साह से इन कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। यह पहली बार है कि सर्वस्पर्शी सामाजिक सुरक्षा, जन-धन योजना के तहत वित्तीय समावेषण तथा किसानों के लिए कृषि बीमा की योजना इतने बड़े पैमाने पर शुरू की गई है जिससे अंत्योदय का सपना साकार हो रहा है। हर क्षेत्र में व्यापक सुधार के साथ प्रगति दिखाई पड़ रही है। दो वर्षों की कड़ी मेहनत ने देश को आवश्यक गति दी है और अब समय है कि भारत दृढ़ता से आगे बढ़े। भारत अब सुनहरे भविष्य की ओर चल पड़ा है। ■

संगठनात्मक गतिविधियां : स्वाभिमान सम्मेलन, लखनऊ (उ.प्र.)

दलितों का सपा में उत्पीड़न, बसपा में उपयोग और भाजपा में उत्थान : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि बसपा दलितों का उपयोग और सपा उत्पीड़न कर रही है। दलितों का उत्थान केवल भाजपा की सरकार में है। गत 4 जून को लखनऊ में स्वाभिमान सम्मेलन में श्री शाह ने भाजपा को

दलितों का सच्चा हितैषी बताया और कहा कि भाजपा ने गरीबों के लिए बैंक के दरवाजे खोल दिए। एक लाख रुपए तक के इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। भाजपा सरकार में बैंक लोन से सवा लाख दलितों को रोजगार मिला। मोदी सरकार दलितों-पिछड़ों और गरीबों की सरकार है। जन धन से करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले हैं। दलितों का उत्थान सिर्फ भाजपा सरकार में ही है। उन्होंने कहा कि यूपी की 73 सीटें जिताने में दलितों का बड़ा योगदान रहा है। दलितों का बहुत बड़ा समूह भाजपा के साथ है। यूपी की सभी आरक्षित सीटें भाजपा जीतेगी। उन्होंने सपा-बसपा पर निशाना साधा और कहा कि सपा जब-जब सरकार में आई दलितों का दमन किया गया और बसपा ने दलितों का सिर्फ उपयोग किया। यूपी में दो तिहाई बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी।

भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि मथुरा की घटना शर्मनाक है। इसने यूपी को पूरे देश में बदनाम करने का काम किया है। इस मामले में लोक निर्माण मंत्री शिवपाल सिंह यादव को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। कानपुर और बुंदेलखंड के बूथ प्रमुख महासम्मेलन में उन्होंने कहा कि कभी आपने सोचा भी नहीं होगा कि दिन दहाड़े एसपी और एसओ को मार दिया जाए। लखनऊ सचिवालय में बैठकर मंत्री उनका संरक्षण कर रहे थे। अगर सपा नेतृत्व में नैतिकता है तो वह तुरंत शिवपाल से इस्तीफा लें। श्री शाह ने कांग्रेस, सपा और बसपा पर एक साथ टिप्पणी करते हुए कहा कि ये मोदी सरकार के दो साल का हिसाब मांग रहे हैं। अरे भाई, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को दो साल में भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने का काम किया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार के घोटाले गिनाते हुए कहा कि आकाश, जमीन ही नहीं पाताल तक में 12 लाख करोड़ रुपये खाने का काम कांग्रेस, सपा और बसपा ने मिलकर किया है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जिस भी देश में जाते हैं वहां हजारों लाखों लोग उनके स्वागत को उमड़ पड़ते हैं। ऐसा कर वह नरेंद्र मोदी या भाजपा का नहीं बल्कि सवा सौ अरब जनता का स्वागत करते हैं। वह यूपी का स्वागत करते हैं, क्योंकि मोदी जी यूपी से सांसद हैं। उन्होंने केंद्र की योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि गांवों में बिजली पहुंचने लगी है। केंद्र ने 2700 करोड़ रुपये सूखा व बाढ़ राहत के लिए भेजा, किंतु जनता तक नहीं पहुंचा। सपा सरकार के घोषणा पत्र की याद दिलाते हुए कहा कि युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि लैपटॉप एक ही जाति, समुदाय के लोगों को दिया। उन्होंने यूपी का महत्व बताया कि जब यूपी से समर्थन मिलेगा तभी नरेंद्र मोदी देश का विकास सही तरीके से कर सकेंगे। सपा की गुंडागर्दी और बसपा के भ्रष्टाचार से यूपी की जनता त्रस्त है। इससे पहले उनका स्वागत प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया।

मंच पर प्रमुख रूप से प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ओम माथुर, राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश, राष्ट्रीय मंत्री श्री महेंद्र सिंह, प्रदेश के संगठन महामंत्री श्री सुनील बंसल, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री स्वतंत्रदेव सिंह, यूपी बूथ गठन प्रभारी श्री जेपीएस राठौर उपस्थित रहे। ■

गुवाहाटी नगर निगम

भाजपा पार्षद मृगेन सरानिया शहर की नई मेयर

असम में सरकार बनाने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने प्रतिष्ठित गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के चुनाव में भी जीत हासिल की है। भाजपा पार्षद मृगेन सरानिया को शहर का नया मेयर चुना गया

है। कांग्रेस ने दो साल पहले जीएमसी का चुनाव जीता था, मगर उसके एक पार्षद नीलाक्षी तालुकदार ने विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। तालुकदार के इस्तीफे के बाद 30 सदस्यीय निगम में कांग्रेस की ताकत घटकर 15 रह गई थी। बीजेपी भी 15 सदस्यों के साथ बराबरी पर आ गई थी। विधानसभा चुनावों में बीजेपी और असम गण परिषद द्वारा शहर की चार सीट जीतने के बाद कांग्रेस अल्पमत में आ गई क्योंकि चारों विधायक और गुवाहाटी सांसद के पास निगम में एक-एक वोट रहता है।

मृगेन सरानिया को बिना निर्विरोध मेयर चुन लिया गया। नीलाक्षी कालिता मेधी को बिना किसी विरोध के नया डिप्टी मेयर चुन लिया गया है। चुनाव के दौरान वरिष्ठ विधायक और मंत्री श्री हेमंत बिश्व शर्मा भी मौजूद थे। वे शहर की जालुकबाड़ी विधानसभा सीट से विधायक हैं। श्री हेमंत बिश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा जल्द ही एनसी हिल्स काउंसिल पर भी जीत हासिल करेगी। काउंसिल को चला रही कांग्रेस 26 मई को उस वक्त अल्पमत में आ गई थी जब उसके 6 सदस्य भाजपा में शामिल हो गए। जिसके बाद 30 सदस्यीय सदन में भाजपा सदस्यों की संख्या 18 हो गई है। कांग्रेस के बाकी नौ सदस्यों ने असम गण परिषद का दामन थाम लिया जो कि बीजेपी की सहयोगी है। दोनों के गठबंधन के पास अब इस सदन में कुल 27 सदस्य हैं। ■

मध्यप्रदेश विधान सभा उप-चुनाव

घोड़ाडोंगरी उपचुनाव में भाजपा जीती

बैतूल जिले के घोड़ाडोंगरी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने 13,182 मतों के भारी अंतर से जीत हासिल की है। निर्वाचन

अधिकारी ने बताया कि घोड़ाडोंगरी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के श्री मंगल सिंह धुर्वे ने कांग्रेस के उम्मीदवार पूर्व श्री मंत्री प्रताप सिंह उईके को 13,182 मतों के अंतर से पराजित किया। श्री धुर्वे ने 82,304 मत तथा श्री उईके ने 69,122 मत हासिल किये।

भाजपा ने वर्ष 2013 में हुए विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र से 8,084 मतों से जीत हासिल की थी। इस प्रकार भाजपा ने उपुचनाव में अपनी जीत के अंतर को और अधिक किया है। भाजपा विधायक श्री सज्जन सिंह उईके के निधन के कारण यहां उपचुनाव कराना पड़ा।

इस उपचुनाव में कुल सात उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों के बीच था। उपुचनाव में 30 मई को हुए मतदान में क्षेत्र के 74.48 फीसद मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

इस उपचुनाव में भाजपा की ओर से प्रचार की कमान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के हाथ में थी और श्री चौहान पार्टी के मुख्य प्रचारक की भूमिका में भी थे।

इसके अलावा केन्द्रीय इस्पात एवं खान मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री नंदकुमार सिंह चौहान ने भी क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में प्रचार किया था। ■

अमित शाह ने किया बिंद बस्ती में दलितों के साथ भोजन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह 31 मई को सेवापुरी विकास खंड के जोगियापुर गांव पहुंचे। गांव की बिंद बस्ती में उनका गाजेबाजे के साथ स्वागत किया गया। श्री शाह ने गिरिजा प्रसाद बिंद के यहां भोजन कर समाज के अति पिछड़े और दलित समुदाय के लोगों के बीच यह विश्वास जगाया कि 2017 के चुनाव में यूपी में भाजपा की सरकार में वापसी होती है तो निश्चित ही पिछड़ों और दलितों के अच्छे दिन आएंगे।

श्री शाह के साथ चंदौली के सांसद डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, विधायक श्री श्यामदेव राय चौधरी, श्री रवींद्र जायसवाल और एमएलसी श्री केदारनाथ सिंह भी भोज में शामिल हुए।

श्री शाह दोपहर में प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र स्थित जोगियापुर गांव पहुंचे।

यह पहला मौका था जब दलितों-पिछड़ों के इस गांव में राष्ट्रीय स्तर का कोई नेता पहुंचा। श्री शाह ने गिरिजा प्रसाद बिंद के साथ उनके घर पर दोपहर का भोजन किया। भोजन में उन्हें चावल, दाल, कढ़ी के अलावा लौकी का कोफ्ता, कटहल और नेनुआ की सब्जी, आम की चटनी परोसी गई। यह पूरा खाना घर की बहुओं ने तैयार किया था और बेटियों ने उसे परोसा। श्री शाह को लौकी का कोफ्ता और आम की चटनी बेहद पसंद आई। सादी रोटी उन्होंने मांगकर खाई। इससे पहले आते ही उन्हें ठंडा पानी और गांव में तैयार गुड़ दिया गया था।

इससे पहले पूरी रात स्वागत की तैयारी चली। भाजपा अध्यक्ष के आने की खबर से पूरा गांव प्रफुल्लित था। युवाओं ने श्रमदान कर गांव को साफ -सुथरा किया। सड़कों पर दोनों किनारे चूने का छिड़काव किया गया। घरों के बाहर महिलाओं ने रंगोली सजाई। जगह-जगह तोरण द्वार बनाए गए। इतना ही नहीं गिरिजा प्रसाद के घर पर जुटने वाले मेहमानों के लिए मनोरंजन का भी इंतजाम था।

आर्केस्ट्रा के कलाकारों ने फिल्मी गानों के बीच मोदी सरकार के कामकाज का बखान किया। उधर बैंड बाजे पर थिरकने वालों की भी कोई कमी नहीं थी। क्या बच्चे और क्या महिलाएं .. सब खूब नाचे। ■

भारतीय अर्थव्यवस्था में तीव्र उछाल

देश की विकास दर 7.6 प्रतिशत हुई

वित्त वर्ष 2015-16 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.9 फीसदी रही। इस तरह पूरे वित्त वर्ष 2015-16 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो कि पिछले पांच साल में सर्वाधिक रही है। दरअसल, विनिर्माण तथा कृषि क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन से अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से आगे बढ़ने में कामयाब रही है। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) द्वारा 31 मई को जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2015-16 की चौथी तिमाही के दौरान आर्थिक विकास दर 7.9 फीसदी रही।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) के अनुसार स्थिर (2011-12) मूल्यों और वर्तमान मूल्यों पर वित्त वर्ष 2015-16 के साथ-साथ वित्त वर्ष 2015-16 की प्रथम तिमाही, दूसरी तिमाही, तीसरी तिमाही और चौथी तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि दरों का उल्लेख निम्न है:

thMhih dh o`f) nj ¼çfr'kr e½		
	fLFkj eY; ¼2011&12½	orZeku eY;
okf"kZd 2015 &16	7.6	8.7
igyh frekgh 2015&16 ¼vçSy&twu½	7.5	8.8
nwljh frekgh 2015&16 ¼tqykbZ&flrEcj½	7.6	6.4
rhljh frekgh 2015&16 ¼vDVwcj&fnlEcj½	7.2	9.1
pkSFkh frekgh 2015&16 ¼tuojh&ekpZ½	7.9	10.4

- वित्त वर्ष 2015-16 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.9 फीसदी रही।
- पूरे वित्त वर्ष 2015-16 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।
- वित्त वर्ष 2014-15 में देश की विकास दर 7.2 फीसदी रही थी और 2013-14 में यह 6.6 फीसदी थी।

वित्त वर्ष 2015-16 की पहली तिमाही, दूसरी तिमाही और तीसरी तिमाही के लिए पहले जारी किये गये वृद्धि दरों समेत अनुमानों को इस मंत्रालय की संशोधन नीति के अनुसार संशोधित कर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2015-16 के लिए राष्ट्रीय आय के अग्रिम अनुमान 8 फरवरी, 2016 को जारी किये गये थे। इन अनुमानों को अब संशोधित कर दिया गया है। जिनमें कृषि उत्पादन के नवीनतम अनुमानों, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और महत्वपूर्ण क्षेत्रों (सेक्टर) जैसे कि रेलवे, सड़क, संचार, बैंकिंग एवं बीमा क्षेत्रों के प्रदर्शन और सरकारी व्यय को ध्यान में रखा गया है। अप्रैल-दिसम्बर 2015 के लिए कॉरपोरेट क्षेत्र के प्रदर्शन के आरम्भिक नतीजों, जिनका उपयोग अग्रिम अनुमानों में किया गया था, को नवीनतम उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर संशोधित कर दिया गया है।

सकल घरेलू उत्पाद

वित्त वर्ष 2015-16 के लिए स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वास्तविक जीडीपी अथवा सकल घरेलू उत्पाद के अब 113.50 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि इससे पहले 8 फरवरी 2016 को यह 113.51 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया गया था।

इस तरह यह वित्त वर्ष 2014-15 के लिए जीडीपी के प्रथम संशोधित अनुमानों की तुलना में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर (इससे पहले भी अनुमानित वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत ही थी) को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2014-15 के लिए जीडीपी का प्रथम संशोधित अनुमान 105.52 लाख करोड़ रुपए का था, जिसे 29 जनवरी, 2016 को जारी किया गया था।■

2016–17 के लिए धान का समर्थन मूल्य 60 रुपए बढ़ा, 1470 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा भाव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 2016-17 की खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी। ये कीमतें 1 अक्टूबर 2016 से प्रभावी होंगी। उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्यों से निवेश और उत्पादन में इजाफा होगा और किसानों को उचित कीमत प्राप्त होगी।

सरकार ने 2016-17 के खरीफ सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 60 रुपए बढ़ाकर 1,470 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है, जबकि सबसे बढ़िया ए-श्रेणी के धान का एमएसपी बढ़कर 1,510 रुपए क्विंटल कर दिया गया है। इससे पिछले साल खरीफ सत्र में सामान्य किस्म के धान का एमएसपी 1,410 रुपए और ए-ग्रेड के धान के लिए 1,450 रुपए प्रति क्विंटल तय किया था।

मंत्रिमंडल ने 2016-17 खरीफ सत्र के लिए दालों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी को मंजूरी दी है, ताकि घरेलू उत्पादन बढ़ाया जा सके और देश की इसके आयात पर निर्भरता घटाई जा सके।

दालों और तिलहनों की घरेलू मांग और आपूर्ति के अंतराल को ध्यान में रखते हुए बोनस देने का निर्णय किया गया है। इसका आधार खरीफ दलहन के लिए 425 रुपये प्रति क्विंटल के मद्देनजर सीएसीपी की सिफारिश है।

ftal	fdLe	2015&16 ds fy, ,e,lih ¼#i;s@ fDoVy½	2015&16 ds fy, ,e,lih ¼#i;s@fDoVy½	'kq) c<+krjh ¼#i;s@fDoVy½	c<+krjh çfr'kr esa	cksul ¼#i;s@ fDoVy½
धान	सामान्य	1410	1470	60	4.3	–––
ग्रेड ए	1450	1510	60	4.1	–––	
ज्वार	संकर	1570	1625	55	3.5	–––
मलडांडी	1590	1650	60	3.8	–––	
बाजरा	–––	1275	1330	55	4.3	–––
मक्का	–––	1325	1365	40	3.0	–––
रागी	–––	1650	1725	75	4.5	–––
तूर (अरहर)	–––	4625 (200 रुपये बोनस शामिल)	5050 (425 रुपये बोनस शामिल)	425	9.2	425
मूंग	–––	4850 (200 रुपये बोनस शामिल)	5225 (425 रुपये बोनस शामिल)	375	7.7	425
उड़द	–––	4625 (200 रुपये बोनस शामिल)	5000 (425 रुपये बोनस शामिल)	375	8.1	425
साबुत मूंगफली	–––	4030	4220 (100 रुपये बोनस)	190	4.7	100
सोयाबीन	पीला	2600	2775 (100 रुपये बोनस)	175	6.7	100
सूरजमुखी बीज	–––	3800	3950 (200 रुपये बोनस)	150	3.9	100
मोथा	–––	3650	3825 (100 रुपये बोनस)	175	4.8	100
तिल	–––	4700	5000 (200 रुपये बोनस)	300	6.4	200
कपास	मध्यम रेशा	3800	3860	60	1.6	–––
लम्बा रेशा	4100	4160	60	1.5	–––	

दलहन में अरहर, उड़द और मूंग शामिल हैं। इसी तरह तिल के संदर्भ में 200 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस और साबुत मूंगफली, सूरजमुखी बीज, सोयाबीन और मोथा जैसे खरीफ तिलहन के लिए 100 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस की सिफारिश भी की गई है।

आशा की जाती है कि इससे किसानों को कीमत के संबंध में सकारात्मक संदेश जाएगा, ताकि वे अधिक भूमि पर खेती करें तथा दालों और तिलहन के उत्पादन एवं निवेश में इजाफा कर सकें।

गौरतलब है कि स्वीकृत एमएसपी, सीएसीपी की सिफारिशों पर आधारित है। इसके संदर्भ में सीएसीपी उत्पादन लागत, कुल मांग एवं आपूर्ति, घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय कीमतों, फसलों के बीच कीमतों में समानता, कृषि एवं गैर कृषि क्षेत्रों के बीच व्यापार शर्तों, अर्थव्यवस्था पर मूल्य नीति के संभावित प्रभावों इत्यादि का आकलन करती है। इसके अलावा जमीन और पानी जैसे संसाधनों के तर्कसंगत इस्तेमाल को सुनिश्चित करने के भी कदम उठाए जाते हैं। इन सबके आधार पर सीएसीपी न्यूनतम समर्थन मूल्य की सिफारिश करती है। चूंकि सीएसीपी एक विशेषज्ञ निकाय है इसलिए आमतौर पर उसकी सिफारिशें मंजूरी की जाती हैं। अनाज, दलहन और तिलहन के संबंध में मूल समर्थन गतिविधियों के लिए भारतीय खाद्य निगम को केंद्रीय नोडल एजेंसी बनाया गया है। कपास के समर्थन गतिविधियों के लिए भारतीय कपास निगम को केंद्रीय नोडल एजेंसी बनाया गया है।

मोदी सरकार की किसान हितैषी अन्य पहलें

- खरीफ संबंधों के लिए एनएसपी में इजाफा करने के अलावा सरकार ने पिछले एक वर्ष के दौरान कई किसान अनुकूल पहलें की हैं, जो निम्न हैं-
- सरकार ने 2015-16 के दौरान खरीफ दलहनों के लिए 200 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी के मद्देनजर बोनस की घोषणा की और 2016-17 के संबंध में रबी दलहनों के लए 75 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस घोषित किया है।
- सरकार ने 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' नामक एक नई फसल बीमा योजना की शुरूआत की। इस योजना के तहत किसानों द्वारा चुकाए जाने वाले प्रीमियम की बहुत कम दर रखी गई है, जो सभी खरीफ फसलों के लिए बीमित रकम का दो प्रतिशत, रबी फसलों के लिए 1.5 प्रतिशत और नकदी तथा बागवानी फसलों के लिए 5 प्रतिशत है। नई बीमा योजना में फोन और दूर संवेदी उपकरणों जैसी तकनीकों को जोड़ा गया है ताकि आकलन तथा दावों के निपटारे को जल्द पूरा किया जा सके। सरकार ने 'क्रॉप इंश्योरेंस' जैसे मोबाइल एप्प को भी जारी किया है जिससे किसानों को बीमा के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त होगी।
- सरकार ने राष्ट्रीय कृषि बाजार योजना के तहत एक अखिल भारतीय इलैक्ट्रोनिक लेन-देन मंच संबंधी योजना भी शुरू की है जिसका उद्देश्य 585 बाजारों को मार्च 2018 तक ई-मार्केट प्लेटफॉर्म पर लाना है। इसमें तीन प्रमुख परिवर्तन शामिल है- इलैक्ट्रोनिक लेन-देन, सभी राज्यों में एकल लाइसेंस की वैधानिकता और एकल बाजार प्रवेश शुल्क।
- देशभर में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिए गए हैं। इस कार्ड में मिट्टी की उर्वरकता तथा उर्वरकों के इस्तेमाल के संबंध में सलाह एवं सूचना दर्ज है। 24 मई, 2016 तक 189 कार्ड वितरित किए गए।
- परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत सरकार जैविक खेती को प्रोत्साहन दे रही है और उसके लिए बाजार भी विकसित कर रही है।
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना लागू की जा रही है। इसका लक्ष्य है कि सिंचाई परियोजनाओं को जल्द पूरा कर लिया जाए और ड्रिप सिंचाई प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाए।
- दूरदर्शन ने किसान चैनल भी शुरू किया है जो 24 घंटे किसानों को मौसम और अन्य जानकारियां देता है।

सरकार किसान उत्पादक संगठनों के गठन के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

दालों और प्याज की कीमतों को स्थिर करने के लिए सरकार ने दालों के बफर स्टॉक बनाने तथा दालों एवं प्याज का मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत आयात करने का निर्णय किया है।

'फार्म विमेन फ्रेंडली हैंडबुक' नामक महिला किसानों के लिए एक पुस्तिका तैयार की गई है जिसमें किसान महिलाओं के लिए वर्तमान अभियानों, योजनाओं और खेती तथा किसान कल्याण से संबंधित सभी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध है।

महिला किसान/लाभार्थी अपने निकट के जिला परियोजना निदेशक/उपनिदेशक (कृषि) या संभाग प्रौद्योगिकी प्रबंधक/सहायक प्रौद्योगिकी प्रबंधकों से संपर्क करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ■

एकात्म मानववाद : एक अध्ययन

✍ पी. परमेश्वरन

एकात्म मानववाद भाजपा का मूल दर्शन है। वर्तमान समय में साम्यवाद और समाजवाद के विकल्प के रूप में एकात्म मानववाद सभी समस्याओं के हल का मार्ग बताता है। हम यहां विवेकानंद केन्द्र के अध्यक्ष एवं चिंतक श्री पी.परमेश्वरन का एक महत्वपूर्ण आलेख प्रकाशित कर रहे हैं। प्रस्तुत है तीसरा भाग :-

एक दूसरा विचार यह है कि यांत्रिक प्रत्यारोपण के मामले में 'नट और बोल्ट' का एक चयनात्मक उधार, जिसे आप चुनने और फिट करने के लिए स्वतंत्र हैं, के विपरीत एक जैविक इकाई में दूसरी जैविक प्रणाली से एक छोटा सा हिस्सा भई कुछ अन्य पहलुओं के साथ के साथ आता है असंगति विकसित, जो हानिकारक हो सकता है। प्रौद्योगिकी के मामले लें। यदि आप आँख बंद करके एक अत्याधुनिक तकनीक उधार लेते हैं, तो दो खतरे हैं, किसी भी सौदे के साथ शर्तें संलग्न होना स्वाभाविक है, दूसरा यह कि उसके साथ न केवल तकनीकी बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों के बहुत व्यापक स्पेक्ट्रम आ सकते हैं। वर्तमान में यही तो हो रहा है। अगर यह लंबा चला तो हमें हमारी राष्ट्रीय पहचान के साथ-साथ हमारे सांस्कृतिक लोकाचार और मूल्य प्रणाली को खोने के खतरे का सामना करना पड़ जाएगा।

हमारी राष्ट्रीय मुश्किलों और आगामी संभावनाओं के साथ जब हम पूरी दुनिया के दृश्य को देखते हैं, तो श्री अरबिंदो के दिशा निर्देश अत्यधिक उपयोगी होंगे।

'जिस सिद्धांत की मैंने पुष्टि की है वह हमारी प्रकृति की आवश्यकता और वस्तुओं, जीवन की, हमारी अपनी आत्मा के प्रति निष्ठा, प्रकृति, आदर्श, नए युग और नए वातावरण में अपने स्वयं के लक्षण रूपों के निर्माण की आवश्यकता दोनों का परिणाम है, लेकिन बाहरी प्रभावों के साथ एक मजबूत और निपुण संबंध जो नहीं होनी चाहिए और स्थिति की प्रकृति में एक संपूर्ण अस्वीकृति हो भी नहीं सकती, इसलिए सफल समावेशन का एक तत्व होना ही चाहिए। रह जाता है सिद्धांत के क्रियान्वयन का अत्यंमत कठिन प्रश्न, -सीमा, मार्ग और मार्गदर्शक धारणा। इस पर विचार करने के लिए हमें संस्कृति के प्रत्येक प्रांत को देखना चाहिए और, भारतीय भावना क्या है और भारतीय आदर्श क्या है की एक धारणा पर हमेशा दृढ़ रहते हुए, देखें कि वे कैसे वर्तमान स्थिति और इन प्रांतों में से प्रत्येक में संभावनाओं पर काम कर सकते हैं और एक नए विजयी निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ऐसी सोच में अत्यधिक लकीर का फकीर बनने से भी नहीं चलेगा। प्रत्येक सक्षम भारतीय मन को इस पर सोचना चाहिए या, बेहतर है, वे अपने स्वयं के प्रकाश और शक्ति में काम करें,- जैसे बंगाल के कलाकार अपने स्वयं के क्षेत्र में काम कर रहे हैं,- और कुछ रोशनी या तामीली योगदान दें। भारतीय नवजागरण की भावना बाकी संभाल लेगी, सार्वभौमिक समय की शक्ति - भावना जिसने एक नए और वृहत भारत के निर्माण के लिए हमारे बीच में गति करना आरंभ कर दिया है।'

(पृष्ठ सं.-393-94, भारतीय संस्कृति संस्थान, श्री अरबिंदो)

तथाकथित प्रगतिशील तत्व जो वैश्वीकरण के विचार के आसक्त हैं और वैश्विक बाजारों के आक्रामक अधिवक्ता बन गए हैं, का कहना है कि विशिष्ट राष्ट्रीय और सांस्कृतिक पहचान की अवधारणा तेजी से उभरते विश्व परिदृश्य में अप्रचलित हो रही है। उनके मुताबिक वहाँ अलग राष्ट्रीय पहचान या अलग और विशिष्ट संस्कृति के लिए कोई जगह नहीं है। सब कुछ एक वैश्विक संस्था में एकाकार हो जाएगा। यह एक खतरनाक विचार है जो हालांकि शुरू में आकर्षक लगता है, खास कर उन भारतीयों के लिए, जो अपनी समझ के उथलेपन की वजह से 'वैश्विक परिवार' और 'वैश्विक बाजार' के बीच भ्रमित हो जाते हैं।

यह स्पष्ट रूप से याद रखा जाना चाहिए कि हिंदू दृष्टिकोण वाले राष्ट्र जीवंत और सजीव जैविक इकाइयाँ हैं जो न केवल प्रासंगिक हैं, बल्कि नई विश्व व्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक भी हैं। प्रत्येक राष्ट्र एक ईश्वरीय शक्ति की अभिव्यक्ति है और पूर्ण करने के लिए उसका एक मिशन है। जब तक

वह मिशन संरक्षित और प्रोत्साहित है निभाने के लिए राष्ट्र की एक महत्वपूर्ण भूमिका है, न केवल अपने लिए बल्कि संपूर्ण मानवता की कुशलता के लिए भी। इसलिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहिए जिसमें राष्ट्रीय पहचान और अपने विशिष्ट सांस्कृतिक लोकाचार के साथ समझौता करना पड़े। यह सभी जीवित और फल-फूल रहे देशों के बीच सामंजस्यपूर्ण सहयोग अपने स्वयं के लिए निष्ठावान हैं जो मानवता को अमीर, रंगीन बना सकता है और उस महान लक्ष्य की ओर ले जा सकता है, जिसके लिए वह लक्षित है। एकरूपता के लिए विविधता का सत्यानाश नहीं कर सकते और न ही करना चाहिए। जिसकी आवश्यकता है वह एकरूपता नहीं एकता है, यह एक गंभीर और गहरा मुद्दा है जिसे तकनीकी और अन्य आदान - प्रदान शामिल करते हुए, अंतरराष्ट्रीय रिश्तों की जटिलताओं के बीच हमारे भविष्य को आकार देते समय के लिए ईमानदारी से ध्यान में रखा जाना चाहिए।

दूसरे दिन डा. अमर्त्य सेन ने नेताजी रिसर्च ब्यूरो और आधुनिक कला के संग्रहालय कोलकाता द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय टैगोर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर देशभक्ति की तुलना में मानवता के लिए प्रेम को अधिक महत्वपूर्ण मानते थे। एक मायने में उनका मतलब था कि अंतर्राष्ट्रीयता राष्ट्रवाद की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है। इस कथन में महत्वपूर्ण है यह है कि डा. अमर्त्य सेन इन दोनों अवधारणाओं को न केवल विरोधाभासी बल्कि संघर्षात्मक भी मानते हैं। यह एक वांछित धारणा है। यह सच है कि गुरुदेव टैगोर के राष्ट्रवाद के बारे में अपने विचार थे। एक कवि और एक हिंदू परंपरा में पैदा हुए ऋषि के रूप में स्वाभाविक रूप से पूरी मानवता को एक परिवार के रूप में देखते हैं। शिकागो की धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने कॉस्मोपॉलिटन सभा को 'बहनों और भाइयों' कह कर संबोधित किया था। लेकिन यह याद रखना चाहिए कि वे राष्ट्रवाद के सबसे प्रबल और आक्रामक वकील थे। इस संदर्भ में, टैगोर के राष्ट्रवाद के बारे में संदेह के मूल कारण को स्पष्ट रूप से समझना महत्वपूर्ण है। यह समय वह था जब यूरोपीय महाद्वीप में राष्ट्रवाद काफी उग्रवादी और आक्रामक हो गया था जहां प्रत्येक देश न केवल ईर्ष्या वश अपने स्वयं के हित की रक्षा में लगा था बल्कि दूसरे देशों को एक शत्रुतापूर्ण रवैये और एक जीतने वाली मानसिकता के साथ देखा जाता था। इससे स्थिति राष्ट्रीय दुराग्रह और खूनी युद्धों तक भी पहुँच गई थी। टैगोर के मन में राष्ट्रवाद की इस प्रकार की नकारात्मक छवि थी जब उन्होंने राष्ट्रवाद की आलोचना की थी।

यूरोप में राष्ट्रवाद राजनीतिक और आर्थिक संघर्ष तथा प्रतिस्पर्द्धा पर आधारित था। भारतीय राष्ट्रवाद की सच्चाई बिल्कुल अलग है। यह सच है कि एक 'राष्ट्र राज्य' के रूप में भारत का उद्‌गम हाल ही का है। यह एक संविधान के तहत केवल आजादी के बाद आया है।

यूरोप में राष्ट्रवाद राजनीतिक और आर्थिक संघर्ष तथा प्रतिस्पर्द्धा पर आधारित था। भारतीय राष्ट्रवाद की सच्चाई बिल्कुल अलग है। यह सच है कि एक 'राष्ट्र राज्य' के रूप में भारत का उद्‌गम हाल ही का है। यह एक संविधान के तहत केवल आजादी के बाद आया है। इससे पहले, हालांकि भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप में एक इकाई के तौर पर देखा जाता था, किंतु भारत एक संवैधानिक प्राधिकार द्वारा नियंत्रित नहीं था। लेकिन भारत प्रारंभिक काल से ही एक राष्ट्र था। जिसने इसे एकजुट रखा वह थी सांस्कृतिक एकता, न कि राजनीतिक या प्रशासनिक मशीनरी। भारतीय राष्ट्रवाद अनिवार्य रूप से सांस्कृतिक रहा था जिसने इसे पहचान के एक शक्तिशाली बंधन में एकीकृत किया जो आध्यात्मिकता पर आधारित था जिसमें बाह्य अभिव्यक्ति ने विभिन्न रूप और नाम ले रखे थे। यह एक सहिष्णु, समावेशी, विनम्र, मित्रवत और उदार संस्कृति थी जो न केवल शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखती थी, बल्कि विदेशी संस्कृतियों का स्वागत भी सम्मान और उदारता के साथ करती थी। यही कारण है कि क्यों भारत के लंबे इतिहास में, हम कभी भारतीय राजाओं और सम्राटों, विजेताओं या साहसियों को भारत से बाहर निकलते और जीतते तथा विदेशी प्रदेशों को गुलाम बनाते नहीं पाते हैं। भारतीय राष्ट्रवाद गुणात्मक रूप में हाल ही में उभरे यूरोपीय और अन्य राष्ट्रवादों से अलग है। टैगोर को अच्छी तरह से पता था और भारत की संस्कृति पर बहुत ही गर्व था। वह भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आलोचक कभी नहीं थे। इसलिए अमर्त्यसेन सेन द्वारा राष्ट्रवाद की निहित आलोचना जिसके लिए उन्होंने टैगोर को जिम्मेदार ठहराया, गले उतरने वाली बात नहीं है।

क्रमशः...

श्रद्धांजलि : 23 जून बलिदान दिवस पर विशेष

डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी : एक आदर्श नेता

पं. दीनदयाल उपाध्याय

बंगाल के बाहर डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी के अधिकांश भाषण हिन्दी में होते थे। जब वह पहली बार हिन्दू महासभा के अधिवेशन में उपस्थित हुए तो वह हिन्दी में बोल नहीं सके। परन्तु उन्होंने वायदा किया कि वह जल्द इस भाषा को सीख लेंगे और अगले वर्ष उन्होंने हिन्दी में भाषण दिया। नि:सन्देह उनसे हिन्दी में सही व्याकरण के उपयोग करने की आशा नहीं की जा सकती थी। परन्तु उन्होंने अपने आप को सही ढंग से अभिव्यक्त किया और अधिकांश अवसरों पर उनकी भाषा अत्यंत शक्तिशाली होती थी।

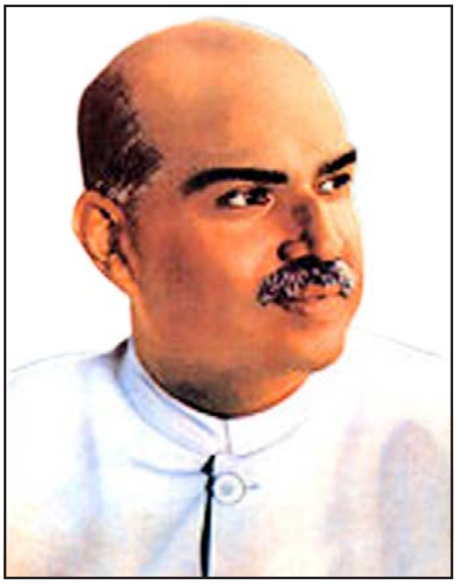

जब उन्होंने हिन्दी पर आग्रह किया

उन्होंने भारतीय जनसंघ के उद्घाटन सत्र का अध्यक्षीय भाषण अंग्रेजी में लिखा। परन्तु वह प्रतिनिधियों को इसकी प्रतियां हिन्दी में वितरित करना चाहते थे। परन्तु समय बहुत कम था। यह 20 अक्टूबर का दिन था। भाषण अगले दिन प्रात: 10 बजे पढ़ा जाना था। इसके अलावा विषय समिति की बैठक भी 26 तारीख को होनी थी। परन्तु, वह इस विषय पर बहुत उत्सुक थे। फलस्वरूप, न केवल अध्यक्षीय भाषण, बल्कि घोषणा-पत्र को भी हिन्दी में अनूदित किया और अर्जुन प्रेस के कर्मचारियों की अपार उत्साह के कारण दोनों को समय पर छाप कर प्रतिनिधियों को पेश किया गया। किन्तु, डा. मुकर्जी जी ने भाषण नहीं पढ़ा। जैसा कि रिवायत थी, उसके अनुसार उनका मुंह-जबानी भाषण अनुदित भाषण से कहीं अधिक प्रभावशाली था।

जब वह पहली बार हिन्दू महासभा के अधिवेशन में उपस्थित हुए तो वह हिन्दी में बोल नहीं सके। परन्तु उन्होंने वायदा किया कि वह जल्द इस भाषा को सीख लेंगे और अगले वर्ष उन्होंने हिन्दी में भाषण दिया। नि:सन्देह उनसे हिन्दी में सही व्याकरण के उपयोग करने की आशा नहीं की जा सकती थी। परन्तु उन्होंने अपने आप को सही ढंग से अभिव्यक्त किया और अधिकांश अवसरों पर उनकी भाषा अत्यंत शक्तिशाली होती थी।

उन्होंने 'सर्वनाश' की बजाय 'खतरनाश' को बेहतर समझा

हिन्दी भाषणों में डॉ. मुकर्जी ने संस्कृत शब्दों का उपयोग किया। अत: उन्हें कभी भी सही शब्द चुनने में कठिनाई नहीं आई। उनकी संस्कृत शैली के कारण उनकी भाषा एक दम शुद्ध थी। किन्तु, उन्होंने 'सर्वनाश' शब्द का उपयोग नहीं किया, बल्कि 'खतरनाश' कहना बेहतर समझा। यह वह शब्द था, जिसे उन्होंने स्वयं गढ़ा था। वह हमेशा सोचा करते थे कि वह गलत शब्द का उपयोग कर रहे हैं। परन्तु, वह गलती बताने में हिचकिचाहट महसूस करते थे। एक दिन, नि:संदेह, जब आम बातचीत चल रही थी तो भाषा बहस का विषय बन गया तो मैंने 'खतरनाश' शब्द को सही शब्द नहीं बताया। सही होता, अगर वह 'सर्वनाश' या 'सत्यानाश' का प्रयोग करते। उन्होंने इस सुझाव के लिए मुझे धन्यवाद दिया, परन्तु कहा कि ''क्या तुम्हें महसूस नहीं होता है कि 'खतरनाश' और 'सर्वनाश' या 'सत्यानाश' का प्रयोग करते। उन्होंने इस सुझाव के लिए मुझे धन्यवाद दिया, परन्तु कहा कि ''क्या तुम्हें महसूस नहीं होता है कि 'खतरनाश' और 'सर्वनाश' के बीच दो शब्दों के अंतर की छाया है? हां, अन्तर तो है।

यहीं वह अन्तर था जिससे डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी देश के अनेक विरोधी नेताओं से अलग-थलग दिखाई पड़ते थे। डॉ. मुकर्जी सतर्क थे और हमेशा ही सरकार और दिग्गजों का ध्यान

गलत नीतियों का कदमों की ओर दिलाया करते थे। परन्तु वह न तो तबाही के पैगम्बर थे, न ही 'साईनिक' (पागल) थे। अत: उन्होंने जानबूझकर 'खतरनाश', 'सर्वनाश' शब्द चुने जिनका मतलब पूर्ण 'तबाही' से था, जो फारसी और संस्कृत के मिले-जुले शब्दों से निकलता था। यदि इस अन्तर को समझ लिया जाए और इस विरोध के अन्तर को मान लिया जाए तो सरकार का बेकार की आलोचना नहीं होगी, बल्कि राष्ट्रीय नीतियों के निर्माण में रचनात्मक योगदान मिल पाएगा। किसी शब्द के विरोध काम गुमराह करना नहीं होता है, बल्कि नेतृत्व करना बन जाता है। कामकाज नकारात्मक नहीं, बल्कि सकारात्मक होना चाहिए। इससे सरकार को कभी आलसी या लापरवाह नहीं बनने देना चाहिए। परन्तु इससे लोगों में भय भी पैदा नहीं होना चाहिए और न ही मनोबल गिरना चाहिए।

जनसंघ ने कभी अपना सिर झुकने नहीं दिया

प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस ने पूरी सीटें अपने पक्ष में कर लीं। अधिकांश विरोधी नेता हार गए। ऐसी पार्टियां जिन्होंने वायदा किया था कि वे सरकार परिवर्तन पर देश की तस्वीर बदल देंगे, हार गई। ऐसे वातावरण में एक व्यक्ति डा. मुकर्जी के पास पहुंचा और कहा कि भारत में लोकतंत्र का भविष्य अंधकारमय है। डॉ. मुकर्जी ने उससे दो प्रश्न पूछे। 1. क्या तुम्हारा लोकतंत्र में विश्वास है?, 2. क्या तुम सक्रिय रूप से राजनीति में कार्य करने का संकल्प करते हो। उस सज्जन ने 'हां' में जवाब दिया। इस पर डॉ. मुकर्जी ने कहा तो अब बताओ, कैसे लोकतंत्र का भविष्य अंधकारमय हो सकता है और यह भी जोड़ा कि यह तभी अंधकारमय होगा यदि हम काम न करें या आपको विश्वास ही न हो। जहां विश्वास रहता है, वहां अंधकार हो ही नहीं सकता। यह उज्ज्वल ही होगा।''

आज हमारे पास कोई मुकर्जी नहीं है। परन्तु उनकी स्प्रिट जिंदा है। यदि कोई आप से देश के अंधकारमय भविष्य की बात करता है तो उसे नकार दो। हम केवल दूर से देखने वाले लोग नहीं है, बल्कि देश के इतिहास को बनाने के लिए पूर्ण सक्रिय रूप से भाग लेने वाले लोग हैं। यदि जो लोग सत्ता में बैठे हैं और वे गलती करते हैं तो यह हमारा कर्तव्य है कि उन्हें सुधारें, केवल उनकी गलतियों की तरफ इशारा कर संतोष से न बैठ जाएं।

मैंने देखा कि वास्तव में यही वह व्यक्ति है जो नेतृत्व कर सकता है। हम कभी-कभी लोगों से मिलते हैं, जिन्हें ''नेता'' कहा जाता है परन्तु, शायद ही वे लोगों में विश्वास पैदा कर सकते हों। इसके विपरीत यदि आप उनके पास पूर्ण विश्वास के साथ पहुंचे तो आप आत्मसंतोषहीनता लेकर लौटें। डॉ. मुकर्जी उन लोगों में से ऐसे व्यक्ति नहीं थे। जब हम उनसे मिले तो उन्होंने पराजय का रोना नहीं रोया। उन्होंने कहा कि यदि हम सफल होना चाहते हैं तो हमें कठिन परिश्रम करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि जनसंघ ने कम से कम बेहतर कर दिखाया है। शेष सभी अन्य पार्टियों के सिर झुक गए परन्तु आपका अध्यक्ष सफल होकर आया है। हां, किसी भी निराशा तस्वीर की उज्ज्वल आयाम होता है और यही हमारे भविष्य को उज्ज्वलतर बनाने के लिए प्रेरित करता है।

समुद्री मीनार की प्रकाश शिखा

आज मुकर्जी की मृत्यु के 12 वर्ष बाद देश कठिन दौर से गुजर रहा है। आज हमारे पास कोई मुकर्जी नहीं है। परन्तु उनकी स्प्रिट जिंदा है। यदि कोई आप से देश के अंधकारमय भविष्य की बात करता है तो उसे नकार दो। हम केवल दूर से देखने वाले लोग नहीं है, बल्कि देश के इतिहास को बनाने के लिए पूर्ण सक्रिय रूप से भाग लेने वाले लोग हैं। यदि जो लोग सत्ता में बैठे हैं और वे गलती करते हैं तो यह हमारा कर्तव्य है कि उन्हें सुधारें, केवल उनकी गलतियों की तरफ इशारा कर संतोष से न बैठ जाएं। इसके साथ ही, यह भी हमारा काम है कि लोगों को एकजुट करें ताकि वे लोकतांत्रिक ढंग से उस सरकार को बदल दे जो उस सरकार सौंपे काम के बोझ को संभालने में असमर्थ रह जाती है। डॉ. मुकर्जी ने ही हमें यह रचनात्मक दृष्टिकोण दिया है। वह विरोधी पक्ष के नेता थे, जिनका उद्देश्य सत्ता में आना था।

यदि हम यह उद्देश्य निरन्तर अपने सामने रखें और अपने मिशन में विश्वास रखें तो विपक्ष सदैव जिम्मेदार बना रहेगा। हमारे लिए कोई रूकावट नहीं होगी, बल्कि इससे हमें देश में शासन चलाने की प्रेरणा मिलेगी। हमारा रवैय्या ही केवल लोकतंत्र का सफल बनाएगा और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करेगा।■

(साभार : आर्गेनाइजर 4 जुलाई 1965)

भाजपा अध्यक्ष का प्रवास

भाजपा सरकार के दो साल में इतना काम जितना कांग्रेस के 60 वर्षों में नहीं : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 31 मई को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में आयोजित सरदार पटेल किसान महासम्मेलन को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार की गांव, गरीब और किसानों की भलाई के लिए लागू की गई प्रभावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अभी-अभी केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में हमारी सरकार के दो वर्ष पूरे हुए हैं और विकास पर्व के माध्यम से हमारे सभी मंत्री, सांसद और संगठन अधिकारी देश के कोने-कोने में जाकर जनादेश का सम्मान करते हुए जनता को अपने कामकाज का हिसाब दे रहे हैं। कांग्रेस उपाध्यक्ष श्री राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए श्री शाह ने कहा कि जिस कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार के शासनकाल में केवल घोटाले और भ्रष्टाचार हुए, जिस सरकार में प्रधानमंत्री के पास कोई कार्य शक्ति ही नहीं थी, आज वह मोदी सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल का हिसाब मांग रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने दो साल में इतना काम करके दिखाया है जितना कांग्रेस अपने 60 वर्षों के कार्यकाल में नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि आज हर मुश्किल परिस्थिति में हमारे प्रधानमंत्री किसानों, युवाओं एवं मजदूरों के साथ खड़े रहते हैं और समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए और हर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं।

यूपीए सरकार के 10 वर्षों के कुशासन और भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार घोटालों की सरकार थी। 10 साल में यूपीए सरकार ने अंतरिक्ष से लेकर पाताल तक कुछ नहीं छोड़ा, हर जगह घोटाले और भ्रष्टाचार किये। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के भी सत्ता में आये दो वर्ष पूरे हुए हैं, लेकिन हम पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लग सका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने दिखाया है कि भ्रष्टाचार के बिना सरकार कैसे चलाई जाती है।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले दो वर्षों से लगातार गांव, गरीब और किसानों की भलाई के लिए अनवरत कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आजादी के 60 वर्षों बाद भी देश की 60 करोड़ की आबादी के पास बैंक अकाउंट तक नहीं था। हमारी सरकार के 2 साल के शासनकाल में ही 21 करोड़ लोगों के बैंक अकाउंट खोले गए। उन्होंने कहा कि इन दो वर्षों में लगभग 3.75 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया के माध्यम से रोजगारी मुहैय्या कराई गयी। उत्तर प्रदेश की अखिलेश यादव सरकार पर हमला करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश

में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सपा सरकार की उदासीनता के चलते उतनी सफल नहीं हो पा रही। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को खुली चुनौती देते हुए कहा कि अखिलेश जी, हमारी योजनाओं को आप जितना रोकना चाहें, रोक लें लेकिन यह बात निश्चित है कि 2017 में उत्तर प्रदेश से आपकी सरकार का जाना तय है। उन्होंने कहा कि 2017 में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का निर्णय उत्तर प्रदेश की जनता ने तय कर लिया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आजादी के 65 वर्षों बाद भी देश के 18000 गांव अंधेरे में जीने को विवश थे, हमारी सरकार ने पिछले एक साल में ही लगभग 8000 गाँवों में बिजली पहुंचाने का काम पूरा कर लिया है और 2018 तक हम उत्तर प्रदेश समेत देश के हर गांवों तक बिजली पहुंचाने का काम पूरा कर लेंगें, ऐसा मुझे विश्वास है।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार किसानों की सरकार है। उन्होंने कहा कि पहले फसल बीमा किसानों तक पहुँच ही नहीं पाती थी, तिस पर हाई प्रीमियम और कई लिमिटेशंस के चलते किसान फसल बीमा योजना का लाभ ही नहीं उठा पाते थे, जबकि हमने देश के हर किसानों के फसलों का खेत से लेकर खलिहान तक का बीमा करने का काम किया है। श्री शाह ने कहा कि इसके अलावे हमने प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, स्वायल हेल्थ कार्ड, नीम कोटेड यूरिया, ई-मंडी, गोकुल मिशन इत्यादि के माध्यम से देश के किसानों को सशक्त करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2022 तक देश के किसानों की इंकम को दुगुना करने का लक्ष्य रखा है ताकि देश के किसान समृद्ध और खुशहाल रहें।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब सपा आती है तो राज्य में गुंडई आती है, सपा को निकालने के लिए जब उत्तर प्रदेश की जनता वोट करती है तो बसपा आ जाती है, जब बसपा आती है तो उसके साथ राज्य में भ्रष्टाचार और गुंडई दोनों आ जाती है। जब जनता बसपा को निकालने के लिए वोट करती है तो फिर से सपा राज्य की सत्ता पर काबिज हो जाती है। उन्होंने जनता का आह्वान करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को सपा-बसपा के द्वंद्व से बाहर निकालना होगा। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश सपा और बसपा के कुशासन, भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी से मुक्त हो जाए तो उत्तर प्रदेश देखते-ही-देखते देश का सबसे विकसित और समृद्ध राज्य बन जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि देश में जहां-जहां भी भाजपा सरकारें हैं, वहां-वहां हमने विकास की नई कहानी लिखी है। विकास कैसे होता है, यह हमने करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश को भाजपा शासित राज्यों की तरह ही विकसित और समृद्ध बनाना है तो केंद्र की तरह ही राज्य में भी भाजपा को शत-प्रतिशत अधिकार देना होगा और भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनानी होगी। उन्होंने सभा में उपस्थित विशाल जन समुदाय का आह्वान करते हुए कहा कि आप सब 2017 में उत्तर प्रदेश को सपा और बसपा से मुक्त बनाने के लिय कमर कस लें और प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए तैयार हो जाएं।■

तेलंगाना

'भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'विकास पर्व' की श्रृंखला में आयोजित कार्यक्रम के तहत 29 मई को हैदराबाद के होटेल नोवोटेल एयरपोर्ट में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया और मोदी सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार

से चर्चा की। इसके बाद उन्होंने हैदराबाद के एसएस कन्वेंशन हॉल में आयोजित तेलंगाना प्रदेश भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित किया और कार्यकर्ताओं से राज्य में पार्टी संगठन को इस तरह मजबूत करने की अपील की ताकि 2019 में तेलंगाना में भाजपा की सरकार बन सके।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनावों में सिर्फ जनादेश लेना भारतीय जनता पार्टी की परम्परा नहीं है, बल्कि हम हर साल हम अपने कामों के द्वारा जनादेश का हिसाब देने में यकीन

रखते हैं और इसलिए इस 'विकास पर्व' के माध्यम से हम देश भर में जन सामान्य को अपने कामों का हिसाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश की जनता सच्चे मन से यह मान रही है कि मोदी सरकार एक निर्णायक सरकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार के समय एक पॉलिसी पैरालिसिस की सी स्थिति थी। हर दिन घोटाले और भ्रष्टाचार के नए अध्याय खुलते थे, अंतरिक्ष से लेकर पाताल तक घोटाले और भ्रष्टाचार करने का काम कांग्रेस की यूपीए सरकार ने किया जबकि पिछले दो वर्षों में हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि हमने देश को एक भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सरकार देने का काम किया है। श्री शाह ने कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा किये गए विकास के काम यह बताने के लिए काफी है कि आनेवाला दिन भाजपा का ही है।

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस के यूपीए सरकार के समय देश की जनता अपने प्रधानमंत्री को सुनने तक को तरस गई थी, जबकि हमने देश को एक ऐसा प्रधानमंत्री दिया है जो न केवल जनता से जुड़े हर मुद्दे, हर समस्या पर बोलते हैं बल्कि उन समस्याओं के निदान के लिए भी सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमने एक दीर्घकालिक विजन के साथ गरीबी, बेरोजगारी और किसानों की समस्या का सम्पूर्ण समाधान निकालने की दिशा में काफी गंभीर प्रयास किया है और अटल जी की सरकार के समय शुरू हुई भारत की विकास यात्रा को एक नया आयाम दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सरकार के समय जो घोर निराशा का माहौल पूरे विश्व में भारत के प्रति बन गया था, उसे हमने दूर करने में सफलता पाई है और आज पूरी दुनिया फिर से यह मानने लगी है कि 21वीं सदी भारत की सदी है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमने शहरों और गाँवों के एक समान विकास पर संतुलन बनाते हुए एक साथ ध्यान केन्द्रित किया है, इकॉनोमिक रिफॉर्म्स और जन-कल्याण की योजनाओं के बीच के द्वंद्व को समाप्त करते हुए हमने विकास योजनाओं को समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने में सफलता पाई है, उद्योग एवं कृषि के विकास पर एक समान बल दिया है और रक्षा नीति एवं विदेश नीति के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित किया है।

श्री शाह ने कहा कि गरीबी उन्मूलन, किसानों की समस्या और बेरोजगारी को दूर करने के लिए हमने कई फ्रूटफुल इनिशिएटिव को लांच किया है। 2019 तह हर गांव बिजली और 2022 तक हर गरीब को छत देने की दिशा में हम तेज गति से काम कर रहे हैं, गांवों को स्मार्ट बनाने के लिए हमने अलग से एक बड़े बजट का निर्धारण किया है और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से हमने हर गरीब के घर में फ्री गैस कनेक्शन देने की योजना शुरू की है, उनके लिए हर जिले में सस्ती दवाओं की दुकानें खोली जा रही हैं। हर गरीब को एक लाख रुपये तक का फ्री हेल्थ कवर देने का निर्णय लिया गया है और साथ ही उन्हें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा कवच भी मुहैय्या कराया गया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह किसानों की भलाई के लिए हमने प्रधानमंत्री फसल बीमा, ई-मंडी, स्वायल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना और नीम कोटेड यूरिया की योजना शुरू की है, साथ ही 2022 तक देश के किसानों के इनकम को दुगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और प्रधानमंत्री मुद्रा बैंक योजना के माध्यम से हमने देश में रोजगार के क्षेत्र में एक क्रांति लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमने सर्व-समावेशी विकास की अवधारणा पर काम करते हुए समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए काम किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आर्थिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में हमने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं। जीडीपी ग्रोथ के मामले में हम चीन से भी आगे निकल गए हैं। हम लगातार दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से विकास करनेवाली अर्थव्यवस्था बने हुए हैं। हमने महंगाई दर को कम करने में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है, विदेशी निवेश में भारत सबसे बड़ा इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बना हुआ है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में हम कई पायदान ऊपर आये हैं और देश का विदेशी मुद्रा भण्डार अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुँच गया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी जी के नेतृत्त्व में देश के मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में काफी वृद्धि हुई है।

श्री शाह ने कहा कि इन्फ्रॉस्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर हमने खासा ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि रेलवे, हाइवे और सड़क निर्माण का कार्य अब तक के सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। 2015 में मोदी सरकार की अर्जित रिकॉर्ड उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस वर्ष सबसे ज्यादा यूरिया का उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा एथेनॉल का उत्पादन

हुआ, सबसे ज्यादा घरेलू गैस कनेक्शन जारी किए गए, सबसे ज्यादा कोयले का उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा मोटर गाड़ी का उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा सॉफ्टवेयर का निर्यात किया गया और सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार अर्जित किया गया। उन्होंने कहा कि हर 15 दिन में हमने देश की जनता की भलाई के लिए एक नए इनिशिएटिव को लांच किया है और प्रधानमंत्री खुद हर 15 दिन में काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स के साथ बैठकर इन सभी योजनाओं के प्रगति की समीक्षा करते हैं।

राहुल गांधी पर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी केवल फोटो-ऑप की राजनीति में यकीन रखते हैं। राहुल गांधी के कलावती के घर जाने का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि हम तो हर गरीब के घर में रोशनी और गैस पहुंचाने का काम कर रहे हैं जबकि वह बस फोटो खिंचवाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूँ कि सिवाय भ्रष्टाचार के आपने 60 सालों में देश की जनता के लिए आखिर किया ही क्या है?

कांग्रेस पर पलटवार करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यूपीए सरकार ने सेना का मनोबल गिराने की नापाक हरकत की, जबकि हमने सेना को दुश्मनों का माकूल जवाब देने की खुली छूट दे रखी है। उन्होंने कहा कि अब सेना दुश्मनों के गोली का जवाब गोले से देती है। ईंट का जवाब अब पत्थर से दिया जा रहा है।

पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए श्री शाह ने कहा कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हम सबके साथ मिलकर देश की भलाई के लिए डेवलपमेंट के एजेंडे पर काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देश के फेडरल स्ट्रक्चर और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखते हुए हम आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान तेलंगाना में अभी अपने संगठन विस्तार पर है और हम 2019 में निश्चित रूप से तेलंगाना में एक प्रमुख पार्टी बनकर उभरेंगे।

भाजपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि हमने पिछले दो वर्षों में भारत में विकास की एक नई इबारत लिखी है, विकास पर्व के माध्यम से आप मोदी सरकार के हर काम का हिसाब तेलंगाना की जनता तक पहुंचाइये और उन्हें देश की इस विकास यात्रा में भागीदार बनाइये। उन्होंने तेलंगाना भाजपा की सदस्यता अभियान की तारीफ करते हुए कहा कि अगर 2019 तक बचे हुए 1000 दिनों में तेलंगाना यूनिट मोदी सरकार के कामकाज और पार्टी की विचारधारा को सही तरीके से राज्य की जनता तक पहुंचाने में कामयाब होती है तो तेलंगाना में भाजपा को सत्ता में आने से कोई नहीं रोक सकता। ■

पोर्ट ब्लेयर

'भाजपा ने देश को निर्णायक सरकार दी'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व के केंद्र की भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे 'विकास पर्व' कार्यक्रम के तहत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी वीर सावरकर की जन्मतिथि के शुभ अवसर पर पोर्ट ब्लेयर, अंडमान निकोबार के जंगलीघाट में आयोजित एक विशाल रैली को संबोधित किया और मोदी सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जिन वीर क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए पोर्ट ब्लेयर के सेल्युलर जेल में कालापानी की सजा काटते हुए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी, उन सबके प्रतीक वीर सावरकार की दिव्य ज्योति देश भर के वीर जांबाजों के लिए अदम्य प्रेरणा का स्रोत बनने का काम करेगी।

श्री शाह ने कहा कि इन दो वर्षों में हमने देश को एक निर्णायक सरकार देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हर सरकार का यह दायित्त्व होता है कि वह अपने कामकाज का हिसाब जनता को दे, लेकिन हिसाब देना तो दूर, कांग्रेस ने अपने 10 वर्षों के यूपीए सरकार के दौरान देश की अर्थव्यवस्था को बदहाल करके अटल जी के समय शुरू हुई देश के नवनिर्माण की विकास यात्रा को बर्बाद करके रख दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में देश की जनता में घोर निराशा का माहौल था, दिन-पर-दिन भ्रष्टाचार और घोटाले के नए-नए मामले सामने आते रहते थे। आम नागरिक सुरक्षित नहीं था, अपने प्राणों की बाजी लगाकर देश की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहनेवाले देश के जवान अपने आप को अपमानित महसूस कर रहे थे, जबकि हमने इन दो

शेष पृष्ठ 29 पर

पुणे, महाराष्ट्र : कौशल विकास अभियान समारोह

कौशल विकसित और गरीबी उन्मूलन हमारी प्राथमिकता : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 5 जून को पुणे, महाराष्ट्र में कौशल विकास अभियान समारोह को संबोधित किया और देश के युवाओं के सुनहरे भविष्य के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई कौशल विकास योजना समेत अन्य योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कौशल विकास अभियान मोदी सरकार का एक ऐसा प्रयास है जो देश की ताकत को एक दिशा में आगे ले जाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने देश को अस्थिरता के कालखंड से बाहर निकालने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का मुख्य फोकस देश के युवा, उनका कौशल विकास और गरीबी उन्मूलन पर है। श्री शाह ने कहा कि यह देश युवाओं का देश है, एक युवा देश काफी सौभाग्य की बात होती है लेकिन पिछली कांग्रेस सरकारों की गलत नीतियों के कारण देश में बेरोजगारी की विकराल समस्या पैदा हुई और युवा देश की ताकत नहीं बन पाए। उन्होंने कहा कि इस समस्या के पूर्ण समाधान के लिए एक अलग सोच, एक व्यापक दृष्टिकोण वाली रणनीति और एक दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत थी और हमें यह गर्व है कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी में ये सभी खूबियाँ कूट-कूट कर भरी हुई है।

श्री शाह ने कहा कि हमारा मानना है कि जब तक युवाओं का कौशल विकास नहीं किया जाता, जब तक उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष नहीं किया जाता, तब तक देश से बेरोजगारी की समस्या पूरी तरह से खत्म नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने बेरोजगारी को दूर करने के उपायों के साथ-साथ कृषि पर भी निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठाये हैं और अब इसके सुखद परिणाम में मिलने शुरू हो गए हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना देश बेरोजगारी दूर करने का एक बहुत बड़ा कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि लाखों युवाओं को नैशनल स्किल डिवेलपमेंट स्कीम के तहत प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना अगले तीन वर्षों में दस लाख ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित करने की योजना है। देश भर में लगभग 1100 से ज्यादा आईटी आई संस्थान खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का काम युवाओं को केवल प्रशिक्षण देकर छोड़ देना नहीं है, बल्कि स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मुद्रा बैंक योजना और मेक इन इंडिया योजनाओं के माध्यम से उन्हें रोजगार प्रदान करना है, उनके भविष्य को संवारना है।

भाजपा अध्यक्ष ने केंद्र की पिछली कांग्रेस एंड कंपनी की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी से लेकर अब तक किसी सरकार को यह ध्यान नहीं आया कि युवाओं का स्किल डेवलपमेंट कर उनकी ताकत को देश के नवनिर्माण में झोंका जाए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने स्किल डेवेलपमेंट के लिए अलग से एक मंत्रालय का गठन किया और स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मुद्रा बैंक योजना और मेक इन इंडिया जैसी अनोखी योजनाओं के माध्यम से इसे संवर्द्धित किया।

मेक इन इंडिया की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए श्री शाह ने कहा कि आज से 40-50 वर्षों बाद जब देश का इतिहास लिखा जाएगा तो देश को बदल देनेवाली 2-3 योजनाओं में से एक योजना 'मेक इन इंडिया' होगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आयात के बजाय देश में मैनुफैक्चरिंग पर ज्यादा

जोर दिया है और इसी का परिणाम है कि 250 से ज्यादा विदेशी कंपनियां मेक इन इंडिया योजना के तहत भारत आ चुकी हैं।

स्टार्ट अप इंडिया की चर्चा करते हुए श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने देश के युवाओं को जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रियेटर बनने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि स्टार्ट अप इंडिया योजना इसी तरह का एक उदाहरण है, देश में कई युवा नौकरी की तलाश के बजाय अपने स्टार्ट अप के जरिये कई लोगों को रोजगार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस कांसेप्ट को अच्छी तरह से क्रियान्वयित कर रही है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि स्टैंड अप इंडिया योजना पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के अन्त्योदय की कल्पना से उदित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से हर राष्ट्रीयकृत बैंकों के हर ब्रांच से 10-10 आदिवासी और दलित युवाओं को स्टार्टअप के लिए बिना गारंटी के लोन दिए जाने का प्रावधान किया गया है जिससे लाखों दलित और आदिवासी युवा लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा बैंक योजना की चर्चा करते हुए श्री शाह ने कहा कि इस योजना के माध्यम से हर साल तीन करोड़ से ज्यादा युवाओं को रोजगार देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक 3.80 लाख युवाओं को लगभग एक लाख 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। श्री शाह ने कहा कि इन सभी योजनाओं की सफलता एक मजबूत अर्थव्यवस्था पर निर्भर करती है और इस तरफ से भी हमें निराश होने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि देश की जनता ने सलामत और मजबूत हाथों में भारत की बागडोर सौंपी है। उन्होंने कहा कि पिछली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था की विकास दर 7.9 प्रतिशत रही, केंद्र में हमारे सत्ता के आने के बाद से हम लगातार विश्व की सबसे तेज गति से विकास करनेवाली अर्थव्यवस्था बने हुए हैं। उन्होंने वर्ष 2015 में अर्जित उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि 2015 में देश में आजादी के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा यूरिया खाद का उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा घरेलू गैस कनेक्शन जारी किए गए, सबसे ज्यादा कोयले का उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन हुआ, सबसे ज्यादा मात्रा में बड़े बंदरगाहों से सामान की आवाजाही हुई, सबसे ज्यादा रेलवे पूंजी लागत में बढ़ोत्तरी हासिल की गई, सबसे ज्यादा नए राजमार्गों का निर्माण किया गया, सबसे ज्यादा मोटर गाड़ी का उत्पादन किया गया, सबसे ज्यादा सॉफ्टवेयर का निर्यात किया गया और सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा का भंडार अर्जित किया गया। उन्होंने कहा कि हमने महंगाई के साथ-साथ वित्तीय और राजकोषीय घाटे को भी काबू करने में सफलता पाई है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जीडीपी को पहली बार एक मानवीय दृष्टिकोण दिया है, हमने जीडीपी को सामाजिक सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामोत्थान से जोड़ा है।

उन्होंने कहा कि हमने दो वर्षों में ही पांच करोड़ गरीब माताओं को फ्री गैस कनेक्शन देकर उन्हें सशक्त बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि गैस सब्सिडी को सीधे जन-धन अकाउंट से जोड़कर हमने लगभग 15000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार को खत्म किया, इसी तरह प्रधानमंत्री जी के एक अपील पर देश के एक करोड़ लोगों ने अपनी गैस सब्सिडी छोड़ी। उन्होंने कहा कि इस तरह के पहल से हम देश के हर गरीब तक मुफ्त गैस कनेक्शन पहुंचाने में कामयाब हो रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी खुद हर 15 दिन में काउन्सिल ऑफ मिनिस्टर्स के साथ योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हैं और हर राज्य के मुख्यमंत्री एवं कैबिनेट सचिव के साथ विडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये इन योजनाओं पर चर्चा करते हैं। श्री शाह ने कहा कि हमने विकास को जन-कल्याण से जोड़ा है, हमारा मकसद इन जनोपयोगी योजनाओं के द्वारा विकास के दौर में पीछे छूट गए गरीब, आदिवासी, दलित, पिछड़े, मजदूर एवं युवाओं को सशक्त बनाना है।

भाजपा अध्यक्ष ने देश के युवाओं, कार्यकर्ताओं, जन - प्रतिनिधियों और मीडिया वर्गों का आह्वान करते हुए कहा कि यह हम सबका दायित्त्व बनता है कि हम गांव, गरीब, किसान, युवा, दलित, पिछड़े और मजदूरों के जीवन उत्थान के लिए शुरू की गई इन अच्छी योजनाओं को एक पॉजिटिव एप्रोच के साथ जनता तक ले जाएँ ताकि यह देश विकास के पथ पर इसी तरह आगे बढ़ता रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि विपक्ष के भ्रामक और बेबुनियाद दुष्प्रचारों को दरकिनार करते हुए समाज के कल्याण और देश के विकास के लिए बनाई गई इन योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं और उन्हें भारत की इस विकास यात्रा का भागीदार बनाएं।

उन्होंने कहा कि हम इसी तरह गरीबों की जिंदगी में खुशियां लाने के लिए उत्साह और लगन के साथ काम करते रहेंगे। ■

विकास पर्व महारैली , सहारनपुर (उ.प्र.)

भाजपा ने भ्रष्टाचारमुक्त-पारदर्शी सरकार दी : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 मई को केंद्र की भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में आयोजित विकास पर्व महारैली में उमड़े विशाल जनसमुदाय को संबोधित किया और केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के दो वर्षों के पल-पल और पाई-पाई का हिसाब देश की जनता को दिया। साथ ही, उन्होंने देश की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार हमारे लिए काम करे और हम देश के लिए काम करें, इस सोच के साथ हमें हिन्दुस्तान की इस विकास यात्रा में भागीदार बनना चाहिए।

मेरा हर-एक कदम देश के गरीबों की भलाई के लिए

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं प्रधान सेवक के रूप में देश के 125 करोड़ देशवासियों की सेवा करने का निरंतर प्रयास करता आ रहा हूं। उन्होंने कहा कि सरकारें आती हैं, सरकारें जाती हैं लेकिन सरकारें बनती है जन सामान्य के सपने को पूरा करने के लिए। उन्होंने कहा कि इन दो वर्षों के शासन काल में देश ने हमारे काम को देखा है, परखा है। श्री मोदी ने कहा कि मैंने अपने पहले संबोधन में ही यह स्पष्ट कर दिया था कि हमारी सरकार देश के गरीबों के प्रति समर्पित सरकार है और पिछले दो वर्षों में हमने एक-के-बाद-एक कदम गरीबों को गरीबी के खिलाफ लड़ने और उन्हें गरीबी पर विजय प्राप्त करने की ताकत देने के लिए उठाया है। उन्होंने कहा कि मैं जनता का सेवक हूं और जनता को हिसाब देना मेरी जिम्मेदारी है। श्री मोदी ने कहा कि पहले केंद्र सरकार के पास खजाने का 65 फीसदी हिस्सा होता था और राज्य सरकारों के पास मात्र 35 फीसदी। उन्होंने कहा कि हमने इस परिपाटी को बदलने का काम किया है, हमने देश के संघीय ढांचे को और सुदृढ़ करते हुए राज्यों को विकास कार्यों के लिए ताकत देने के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि मेरा सबसे बड़ा फैसला राज्य सरकारों के हाथ में धन देना है, अब राज्यों के पास 65 फीसद धन रहेगा जबकि केंद्र के पास मात्र 35 फीसद धन रहेगा।

जनता को संबोधित करते हुए कहा कि देश बदल रहा है, लेकिन कुछ लोगों का दिमाग नहीं बदल रहा है। उन्होंने कहा कि हम देश के गरीब के जीवन में बदलाव लाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गाँवों का विकास हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमने केवल ग्राम पंचायतों के लिए दो लाख करोड़ रुपये की वार्षिक योजना बनाई है। हर गाँव को विकास के लिए 80 लाख रुपये देने का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि हर गांव में पक्की सड़क हो। 24 घंटे बिजली हो, शुद्ध पीने का पानी हो, अच्छे स्कूल और अस्पताल हों। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गांव, गरीब और किसानों की सरकार है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि 2022 में जब देश आजादी की 75वीं वर्षगाँठ मना रहा होगा तब हम एक ऐसे

भारत का निर्माण करना चाहते हैं जहां किसानों की आय दुगुनी हो, हर गरीब के पास अपना छत हो, हर गांव और कस्बा तरक्की की राह पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा हो। उन्होंने कहा कि यह केवल नारा नहीं है, यह हमारा संकल्प है।

किसानों की भलाई हमारी प्राथमिकता

जन सभा को संबोधित करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की भलाई के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से मिट्टी की गुणवत्ता को सुधारने के लिए हमने स्वायल हेल्थ कार्ड योजना की शुरुआत की। हर खेत को पाने के लिए प्रधानमंत्री सिंचाई योजना की शुरुआत की। आपदा के समय किसानों को मिलने माले मुआवजे के पैमाने को बदला और इस किसानों के लिए हितकर बनाया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार किसानों के दु:ख-दर्द को समझते हुए हमने प्रधानमंत्री फसल बीमा की शुरुआत की ताकि हमारे देश के किसान समृद्धि बने और उनको उनके फसल का पूर्ण लाभ प्राप्त हो सकते। उन्होंने जनता से बारिश का पानी बचाने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें इस ओर ध्यान देना चाहिए कि खेत का पानी खेत में और गाँव का पानी गाँव में रहे।

गन्ना किसानों की समस्या का समाधान

प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जब हमारी सरकार सत्ता में आई, तो गन्ना किसानों की हालत दयनीय थी, उनका लगभग 14,000 करोड़ रुपये का बकाया था। उन्होंने कहा कि हमने सत्ता में आते ही यह सुनिश्चित किया कि गन्ना किसानों का अधिकतम भुगतान जल्द-से-जल्द हो सके, अभी गन्ना किसानों का मात्र 700 से 800 करोड़ रुपये का बकाया रह गया है जिसका भुगतान भी जल्द ही कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं राज्य सरकार से आग्रह करता हूँ और साथ ही शुगर मिलों को चेतावनी देता हूँ कि इतने वर्षों तक जो आपने किसानों के साथ अन्याय किया है, वह अब नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने गन्ने से एथेनॉल बनाने पर भी जोर दिया है, इससे गाड़ियों में एथेनॉल के प्रयोग को बढ़ावा मिलेगा और पर्यावरण को भी फायदा होगा।

भ्रष्टाचार-मुक्त पारदर्शी सरकार

भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार में आते ही हमने देश से भ्रष्टाचार के समूल खात्मे का बीड़ा उठाया। उन्होंने जनता से पूछा कि पिछले दो वर्षों में कोई ऐसी खबर सुनी क्या, कोई ऐसी खबर अखबारों में छपी क्या, किसी टीवी चैनल ने दिखाया क्या, विपक्षी तक ने कोई आरोप लगाया है क्या कि मोदी सरकार ने एक भी रुपया खाया है? उन्होंने कहा कि अब दो साल से भ्रष्टाचार की खबरें आनी बंद हो गई है, विरोधी भी कहने लगे हैं कि मोदी सरकार में भ्रष्टाचार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इससे पहले की सरकारों में देश को कैसे-कैसे लूटा गया, मैंने देखा है। उन्होंने कहा कि पहले नेताओं की हिम्मत नहीं होती थी कि जनता के बीच खड़े होकर अपने कामों का हिसाब दे, मैं आपको अपनी सरकार के दो वर्षों का हिसाब दे रहा हूँ।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: नारी सशक्तिकरण का बड़ा अभियान

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने गैस सिलेंडर को अमीरों की अमानत बना रखा था, हमने पिछले एक साल में तीन करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस सिलिंडर देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में हम लगभग पांच करोड़ गरीब परिवारों तक मुफ्त गैस कनेक्शन पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि आजादी की बाद से नारी शक्ति के सशक्तिकरण का इतना बड़ा कार्यक्रम कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मेरे एक अपील पर गरीबों के लिए देश के एक करोड़ लोगों ने गैस सब्सिडी छोड़ी, ताकि हर गरीब परिवार धुंएँ से मुक्त हो सके।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ: एक जन-आंदोलन

प्रधानमंत्री ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना का जिक्र करते हुए कहा कि समाज में पुरुषों की जगह महिलाओं की संख्या कम हो रही है, बेटियों को कोख में ही मार दिया जाता है, इसलिए हमने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए सवा सौ करोड़ देशवासी मेरे हैं, न जाति, न पाति, मैं सबके लिए काम करता हूं। हर धर्म, हर जाति, हर सम्प्रदाय की बेटियों के लिए काम करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं जब बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की बात करता हूँ तो हर परिवार, हर जाति, हर सम्प्रदाय, हर बिरादरी की बेटी के लिए बात करता हूँ। उन्होंने कहा कि जब तक समाज की सभी बेटियां ताकतवर नहीं बनती तब तक भारत ताकतवर नहीं बन सकता।

गांव, गरीब और पिछड़ों का विकास हमारा मकसद

श्री मोदी ने कहा कि पहले तो पता ही नहीं चलता था कि गांवों के विकास के लिए आवंटित किया गया धन आखिर जाता कहाँ है। उन्होंने कहा कि गांवों को

पक्की सड़क से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है और इसलिए हमने इस पर सबसे ज्यादा बजट भी आवंटित किया है। श्री मोदी ने कहा कि जब हम सत्ता में आये तो देश के 18000 गांवों में बिजली भी नहीं पहुंची थी, हमने 1000 दिनों में इन 18000 गांवों में बिजली पहुंचाने की योजना शुरू की और हमें आज गर्व है कि 300 दिनों में ही हमने लगभग 7000 से अधिक गांवों के विद्युतीकरण का काम पूरा कर लिया है। बहुत जल्द ही उत्तर प्रदेश सहित देश के सभी गांव बिजली से जगमगा उठेंगे। उन्होंने कहा कि गरीबों की ताकत कैसे बढ़ाई जा सकती है, यह हमने मुद्रा बैंक योजना के माध्यम से करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि विकास में पीछे छूट गए देश के गरीब लोगों को सुरक्षा कवच देते हुए उन्हें प्रधानमंत्री जन-धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, जीवन सुरक्षा योजना और अटल पेंशन योजना से जोड़ा। उन्होंने कहा कि गरीबों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए हमने स्वच्छता अभियान को जनता से जोड़ते हुए इसे जन-आंदोलन बनाया। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैं समस्त देशवासी, मीडिया वर्ग, सामाजिक संस्था और विशेषकर युवाओं का आभारी हूँ जिन्होंने अपने सहयोग से इसे जन-अभियान बनाया।

चिकित्सकों की उम्र सीमा 65 वर्ष, महीने में एक दिन गरीब माताओं को दें डॉक्टर

प्रधानमंत्री ने प्रसूता माता की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों पर चिंता जाहिर करते हुए देश भर के चिकित्सकों का आह्वान करते हुए कहा कि मैं चिकित्सकों से अपील करता हूँ कि वे हर महीने की 9 तारीख को देश के गरीब प्रसूता माताओं का मुफ्त इलाज करें। उन्होंने कहा कि यदि 12 महीनों में 12 दिन भी प्रत्येक डॉक्टर गरीब माताओं के लिए दे दें तो गरीबों को इससे काफी मदद मिल पाएगी।

उन्होंने कहा कि देश भर में चिकित्सकों की भारी किल्लत को देखते हुए सरकारी चिकित्सकों (केंद्र और राज्य दोनों) के रिटायरमेंट की उम्र सीमा बढ़ाकर 65 वर्ष करने का हमने निर्णय लिया है और इस आशय की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज दुनिया भारत का लोहा मान रही है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया कह रही है कि अगर विश्व भर में सबसे तेज गति से विकास करने वाला कोई देश है तो वह भारत है। उन्होंने कहा कि आज नौजवान विकास चाहता है, देश परिवर्तन चाहता है। श्री मोदी ने कहा कि विकास ही हमारी सारी समस्याओं का समाधान है।

उन्होंने कहा कि आज देश की जनता में यह विश्वास है कि इस सरकार की नीति साफ है, नीयत साफ है और यह सरकार सबके कल्याण और सबके विकास के मकसद को लेकर काम कर रही है। श्री मोदी ने देश की जनता से अपील करते हुए कहा कि हम सब इस विकास यात्रा में भागीदार बनें, यह हम सबकी जिम्मेदारी है। ■

श्रद्धांजलि

भाजपा सांसद दलपत सिंह परस्ते का निधन

मध्यप्रदेश के शहडोल संसदीय क्षेत्र से भाजपा सांसद श्री दलपत सिंह परस्ते का 1 जून को निधन हो गया। वे 66 साल के थे। सांसद श्री परस्ते को ब्रेन हेमरेज की बीमारी के चलते गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गौरतलब है कि 27 मई को सांसद दलपत सिंह परस्ते सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक कार्यक्रम से लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी तबियत बिगड़ गई थी।

श्री परस्ते 2014 लोकसभा चुनाव जीतकर पांचवी बार सांसद बने थे। आदिवासी नेता दलपत सिंह परस्ते सबसे पहले 1977 में छठवीं लोकसभा के लिए चुने गए थे। बाद में साल 1989 में 9वीं लोकसभा, 1999 में 13वीं लोकसभा, 2004 में लोकसभा और 2014 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर 15वीं लोकसभा के सदस्य बने।

सांसद श्री परस्ते अपने पीछे पत्नी धाना बाई, बेटा होलकर और तीन बेटियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए। ■

अफगान–भारत मित्रता बांध का शुभारंभ एनएसजी के लिए भारत को मिला प्रबल समर्थन

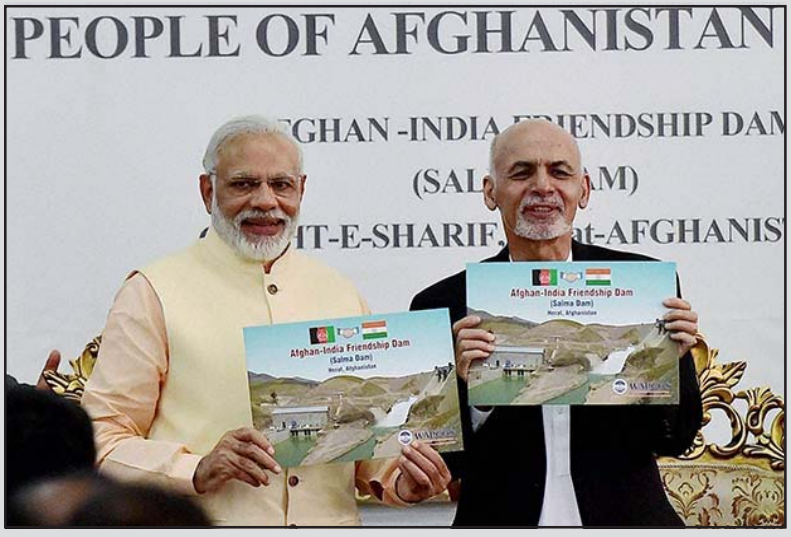

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 4 जून से प्रारम्भ हुई पांच देशों की ऐतिहासिक यात्रा कई मायनों में अति महत्वपूर्ण है। 140 घंटे की यह यात्रा अफगानिस्तान से शुरू होकर, कतर, स्वीट्जरलैंड, अमेरिका होते हुए मैक्सिको को 9 जून को समाप्त हुई। इस यात्रा के दौरान अफगान-भारत मित्रता बांध का शुभारंभ हुआ तथा भारत-अमेरिकी संबंध और मजबूत हुए। साथ ही कतर, स्विट्जरलैंड और मैक्सिको से कई महत्वपूर्ण वार्ताएं भी हुई।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अफगानिस्तान, कतर, स्विट्जरलैंड, अमेरिका और मैक्सिको की पांच देशों की ऐतिहासिक यात्रा से न केवल भारत की छवि बेहतर हुई है, बल्कि पूरा विश्व भारत को एक उभरती हुई शक्ति के रूप में देख रहा है। यदि यात्रा के शुरू में अफगान-भारत मित्रता बांध का शुभारंभ हुआ तो कतर ने आतंकवाद संबंधी अपनी चिंता व्यक्त की। साथ ही न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एनएसजी) के लिए स्विट्जरलैंड, अमेरिका व मैक्सिको से समर्थन भी मिला और भारत एनटीसीआर में बिना किसी विरोध के शामिल हो गया।

भारत ने जब पिछले साल इस समूह की सदस्यता के लिए आवेदन किया था तो कुछ देशों ने विरोध किया था, लेकिन इस बार किसी ने आपत्ति नहीं की। अब भारत पांच सौ किलो पेलोड ले जाने वाली तीन सौ किलोमीटर तक मार करने वाली मिसाइल प्रौद्योगिकी और प्रीडेटर ड्रोन की खरीद-फरोख्त कर सकेगा। भारत को एनएसजी में अभी प्रवेश तो नहीं मिला है, लेकिन अब इसकी सदस्यता के लिए भारत का दावा ज्यादा मजबूत हो गया है। यही नहीं, श्री मोदी को उनकी इस चौथी अमेरिकी यात्रा के दौरान उन्हें अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करने का सम्मान भी मिला। श्री मोदी ने न सिर्फ सातवीं बार अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से भेंट करके उनसे एक निजी केमिस्ट्री बना ली, बल्कि भारत तथा अमेरिका के रिश्तों में और विश्वास व बदलाव पैदा करने के लिए राजनयिक स्तर पर प्रभावी काम हुआ।

अफगान-भारत मित्रता बांध का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में 4 जून को चिश्त-ए- शरीफ में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति डॉ. अशरफ गनी के साथ संयुक्त रूप से अफगान-भारत मित्रता बांध (सलमा बांध) का शुभारंभ किया। अफगान-भारत मैत्री बांध 42 मेगावॉट बिजली उत्पन्न करने की क्षमता, 75 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई, जलापूर्ति और अफगानिस्तान के लोगों के लिए अन्य लाभों हेतु बनाई गई एक बहुउद्देश्यीय परियोजना है। सलमा बांध अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में हरीरुद नदी पर भारत सरकार के द्वारा शुरू की गई एक ऐतिहासिक बुनियादी संरचना है।

ये परियोजना हेरात कस्बे से 165 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। सुरक्षा कारणों से इस परियोजना में शामिल भारतीय अभियंताओं और तकनीशियनों को परियोजना स्थल पर ले जाने के लिए महीने में एक बार अफगानिस्तान सरकार द्वारा हेलीकॉप्टर सेवा प्रदान की गई। परियोजना के लिए सभी

उपकरणों और सामग्री को समुद्र के माध्यम से भारत से ईरान के बंदर-ए-अब्बास बंदरगाह पर भेजा गया और वहां से सड़क मार्ग से 1200 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए ईरान-अफगानिस्तान की सीमा पर स्थित किला सीमा चौकी पहुंचाया गया और इसके पश्चात सड़क मार्ग से 300 किलोमीटर की दूरी तय करके परियोजना स्थल की सीमा चौकी पर भेजा गया। सीमेंट, इस्पात सुदृढ़ीकरण, विस्फोटक आदि को अफगानिस्तान में पड़ोसी देशों से आयात किया गया। बांध की कुल क्षमता 633 मिलियन एम-3 है। बांध की ऊंचाई 104.3 एमटी, लम्बाई 540 एमटी और तल की चौड़ाई 450 एमटी है।

भारत सरकार द्वारा परियोजना के लिए 1775 करोड़ रुपये का वित्त पोषण किया गया है और इसे पूरा करने में 10 वर्ष से अधिक का समय लगा। परियोजना का सफलतापूर्वक समापन 1500 भारतीयों और अफगानी अभियंताओं एवं अन्य पेशेवरों के द्वारा बेहद कठिन परिस्थितियों में की गई वर्षों की कड़ी मेहनत के परिणाम को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री ने दोहा में कामगारों के शिविर का दौरा किया

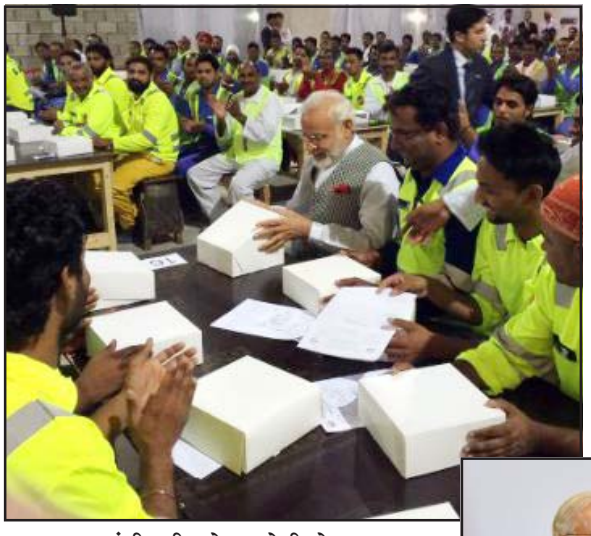

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डाऊनटाउन दोहा में मशरब के एक परियोजना स्थल पर भारतीय कामगारों के साथ बातचीत की। वहां एकत्र कामगारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोहा में पहुंचने के बाद उनका पहला कार्यक्रम आप लोगों से मिलना था। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे उन मुद्दों से पूरी तरह वाकिफ हैं जिनका आप सामना कर रहे हैं। जब वे कतर के नेतृत्व से मिलेंगे तो उनके सामने इन मुद्दों का उठाएंगे। प्रधानमंत्री ने कामगारों के साथ बातचीत के लिए आने से पूर्व इस स्थल पर बने चिकित्सा शिविर का संक्षिप्त दौरा किया, उन्होंने डाक्टरों द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों के लिए उन्हें बधाई दी। अपने संबोधन की समाप्ति के बाद, प्रधानमंत्री एक मेज से दूसरी मेज के पास गए और वहां बैठे कामगारों के समूहों से बातचीत की तथा उनमें से कुछ के साथ बैठकर भोजन साझा किया।

प्रधानमंत्री की जिनेवा में स्विस मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच देशों की अपनी यात्रा के तीसरे चरण में जिनेवा में स्विस मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ व्यापारिक गोलमेज बैठक में मुलाकात की। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। प्रधानमंत्री के साथ हुई बैठक में एबीबी, लाफार्ज नोवार्टिस, नेस्ले, राइटर, रॉश सहित अनेक स्विस मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

व्यापारिक प्रमुखों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और मिलकर कार्य करना हमारे विकास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्विस की व्यावसायिक क्षमता इससे लाभान्वित हो सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध मजबूत और जीवंत हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में सिर्फ 1.25 अरब का बाजार नहीं है बल्कि देश में कौशल और व्यापार के लिए स्वतंत्र व्यवस्था उपलब्ध कराने वाली एक सरकार है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक मानकों के अनुरूप विनिर्माण करना चाहता है और इसलिए कौशल विकास का स्विस प्रारूप इसके

लिए बहुत प्रासंगिक है।

इससे पूर्व दिन में, प्रधानमंत्री ने स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति श्नाइडर अम्मान्न के साथ भारत और स्विटजरलैंड के बीच बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। इस वार्तालाप के दौरान व्यापार, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, अक्षय ऊर्जा में सहयोग पर भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि समान प्रतिबद्धताएं, मूल्य, नागरिक से नागरिक और आर्थिक संबंध भारत और स्विटजरलैंड के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। जिनेवा के सीईआरएन में भारतीय वैज्ञानिकों और छात्रों के एक समूह ने भी प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

मोदी की अमेरिका यात्रा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 6 जून को वाशिंगटन डीसी पहुंचे। उन्होंने अज्ञात सैनिक के मकबरे आर्लिंग्टन समाधि पर

पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने अंतरिक्ष शटलयान कोलंबिया स्मारक पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। कोलंबिया त्रासदी में मारी गयी अन्तरिक्ष यात्री कल्पना चावला के पति मिस्टर जीन पियरे हैरिसन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अन्तरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स भी उपस्थित थी।

भारत को मूर्तियों की वापसी के लिए आयोजित समारोह में भी प्रधानमंत्री ने भाग लिया। इस मौके पर अमेरिका की अटॉर्नी जनरल लोरेटा लिंच ने कहा कि भारत को 200 कलाकृतियां लौटने का काम शुरू हो गया है जिसमें से अब तक 12 लौटा भी दी गई हैं। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विरासत देशों के बीच एक महान आवश्यक ताकत हो सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भले ही इन कलाकृतियों को पैसे में तौलते हों पर भारत में हमारे लिए इसका मूल्य इन सबसे से ऊपर है क्योंकि ये हमारी संस्कृति और धरोहर हैं।

अमेरिका ने एनएसजी में भारत का समर्थन किया

अमेरिका ने न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एनएसजी) में भारत की सदस्यता का समर्थन किया है। अमेरिका ने परमाणु अप्रसार के मामले में भारत की सराहना भी की। भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान ही अमेरिकी उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बेन्जामिन रोड्स ने कहा, "भारत के साथ नागरिक परमाणु समझौता करने के बाद और परमाणु सुरक्षा को लेकर भारत के साथ सहयोग करने पर बहुत ज्यादा समय लगाने के बाद" हम भारत की एनएसजी में सदस्यता का समर्थन करेंगे।

गौरतलब है कि 6 जून को स्विट्जरलैंड ने भी भारत की सदस्यता का समर्थन किया था।

अब उच्च तकनीक मिसाइलें खरीद और बेच सकेगा भारत

दुनिया की प्रमुख मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) के सदस्यों ने भारत को भी इसमें शामिल करने पर सहमति जता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के संदर्भ में यह बड़ी उपलब्धि है।

गौरतलब है कि 34 देशों के इस समूह में भारत को शामिल करने के प्रस्ताव पर किसी भी सदस्य ने आपत्ति नहीं जताई । भारत के इस समूह में शामिल होने से

अमेरिका से ड्रोन विमान खरीदने तथा अपने उच्च प्रौद्योगिकी वाले प्रक्षेपास्त्रों का मित्र देशों को निर्यात करने के उसके प्रयासों को बल मिलेगा।

इसके अलावा भारत अब ब्रह्मोस जैसी अपने उच्च

- **इस समूह में भारत को शामिल करने पर किसी भी सदस्य ने आपत्ति नहीं जताई**
- **इससे भारतीय सेना के लिए अमेरिका से प्रीडेटर ड्रोन खरीद सौदे में तेजी आएगी**
- **इस कदम से भारत ब्रह्मोस जैसी अपनी मिसाइलें मित्र देशों को बेच सकेगा**

तकनीकी मिसाइलों को मित्र देशों को बेच सकेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने किया था प्रबल समर्थन

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा ने एमटीसीआर और तीन अन्य निर्यात नियंत्रण व्यवस्था- ऑस्ट्रेलिया समूह, परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह और वासेनार समझौते में भारत की सदस्यता का कड़ा समर्थन किया था।

गौरतलब है कि अप्रैल 1987 में स्थापित ऐच्छिक एमटीसीआर का मकसद उन बैलिस्टिक मिसाइलों और दूसरे ऐतिहासिक आपूर्ति तंत्रों के प्रसार को सीमित करना है,

जिनका इस्तेमाल रासायनिक, जैविक और परमाणु हमलों के लिए किया जा सकता है।

एमटीसीआर अपने 34 सदस्यों से अपील करता है कि 500 किलोग्राम के पेलोड को कम से कम 300 किलोमीटर तक ले जा सकने वाली मिसाइलों और संबधित प्रौद्योगिकियों को और सामूहिक तबाही वाले किसी भी हथियार की आपूर्ति बंद करें।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को अफगानिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को अफगानिस्तान के सर्वोच्च

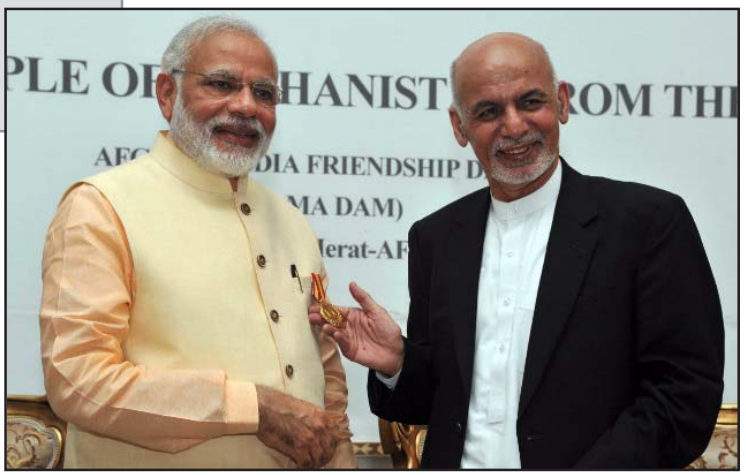

नागरिक सम्मान 'अमीर अमानुल्लाह खान पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हेरात में ऐतिहासिक अफगान-भारत मैत्री बांध के उद्घाटन के बाद राष्ट्रपति अशरफ गनी द्वारा उन्हें इस सम्मान से नवाजा गया। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि अमीर अमानुल्लाह खान पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए मैं अफगानिस्तान की सरकार के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। अफगानिस्तान के नागरिकों के साथ-साथ विदेशी नागरिकों को उनकी सेवाओं की प्रशंसा में अफगान सरकार द्वारा दिया जाने वाला यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। पदक के पीछे यह उल्लेख है - 'नशान-ए दौलती गाजी अमीर अमानुल्लाह खान' अर्थात 'राज्य आदेश गाजी अमीर अमानुल्लाह खान।'

गौरतलब है कि अमीर अमानुल्लाह खान पदक अफगानिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। इस पुरस्कार का नाम अफगानिस्तान के राष्ट्रीय नायक, अमानुल्लाह खान (गाजी) के नाम पर रखा गया है जो अफगानिस्तान की स्वतंत्रता के शूरवीर थे। वे 1919 से 1929 तक अफगानिस्तान अमीरात के शासक थे। उन्होंने अफगानिस्तान की स्वतंत्रता के लिए एक कुशल नेतृत्व दिया।

यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले वे पहले भारतीय और विश्व के मुट्ठीभर विदेशी नेताओं में से एक हैं। यह उनकी विशिष्ट रिश्ते की ताकत का प्रतीक होने के साथ-साथ भारत-अफगान संबंधों को आगे बढ़ाने में प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता का भी साक्षी है। अफगानिस्तान सरकार ने इस पुरस्कार का वर्ष 2006 में गठन किया था। इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाली पूर्व हस्तियों के नाम इस प्रकार हैं - अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश, कजाकस्तान के राष्ट्रपति नूरसुल्तान नजरबायेव, तुर्की के राष्ट्रपति रिसेप तईप एरडोगन, नाटो के जनरल जेम्स जोन्स, पूर्व अफगान राष्ट्रपति और आध्यात्मिक नेता सिबगातुल्लाह मुजादिदी और अफगानिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजे) अब्दुल सलाम अजिमी।

दुनिया में लोकप्रियता हासिल कर रही है मोदी की विदेश नीति : भाजपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अफगानिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने 5 जून को कहा कि श्री मोदी की विदेश नीति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी जा रही है और इसकी सराहना की जा रही है। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने अफगानिस्तान-भारत दोस्ती बांध के उद्घाटन के बाद मोदी को अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'अमीर अमानुल्ला खान सम्मान' से नवाजा। हेरात प्रांत में स्थित इस बांध को सलमा बांध के नाम से भी जाना जाता है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री एम. जे. अकबर ने नई दिल्ली में कहा, 'हाल के हतों में प्रधानमंत्री को इस तरह का मिला यह दूसरा ऐसा सम्मान है। यह एक अनोखी उपलब्धि है। किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को यह सम्मान नहीं मिले हैं।'

हाल में सऊदी अरब के शाह सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सउद ने श्री मोदी को अपने यहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'शाह अब्दुलअजीज सम्मान' से सम्मानित किया था।

श्री अकबर ने कहा है कि यह भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई विदेश नीति की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता और बढ़ती सराहना को दर्शाता है। प्रधानमंत्री भारत की समृद्धि के लिए भारत को एक प्रधान केंद्र के रूप में रख कर गठबंधन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ये सम्मान प्रधानमंत्री की विदेश नीति को अस्थिरता से भरे इस क्षेत्र में शांति और स्थायित्व के बल के रूप में मान्यता प्रदान करते हैं। ■

पृष्ठ 19 का शेष...

वर्षों में हर समस्या का समाधान करने की दिशा में त्वरित कदम उठाये हैं और उनका क्रियान्वयन किया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक सुधारों का ही नतीजा है कि आज दुनिया फिर से यह मानने लगी है कि 21वीं सदी भारत की सदी है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमने देश से गरीबी उन्मूलन, बेरोजगारी की समस्या का निदान और किसानों, मजदूरों एवं युवाओं की समस्या के दीर्घकालिक निदान के लिए कई गंभीर प्रयास किये हैं। उन्होंने कहा कि इन दो वर्षों में केंद्र की मोदी सरकार ने अहर्निश भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए अथक परिश्रम किया है और व्यवस्था में परिवर्तन लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के यूपीए सरकार के समय प्रधानमंत्री को तो कोई प्रधानमंत्री मानता ही नहीं था। भ्रष्टाचार और घोटाले आये दिन अखबारों की सुर्खियां बनती थी, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है, यहां तक कि विरोधी भी हम पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा सके हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार के शासन के समय विश्व पटल पर भारत की भूमिका सीमित हो गई थी जबकि आज दुनिया भर में हमारे प्रधानमंत्री को जबर्दस्त मान-सामान हासिल हो रहा है, आज दुनिया भारत को आशा भरी नजरों से देख रही है। उन्होंने कहा कि यह मान-सम्मान प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी का सम्मान नहीं है, यह मान-सम्मान भारतीय जनता पार्टी का भी नहीं है, यह मान-सम्मान देश के 125 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की मोदी सरकार देश के विकास के लिए और विकास के दौर में पीछे छूट गए लोगों को समाज के मुख्यधारा में लाने के लिए एक विजन के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने दो वर्षों में काफी कुछ किया है, पर अभी काफी कुछ करना बाकी है। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में हम अपने किये गए सारे वादों को पूरा कर देश की जनता के सामने अपने काम को लेकर जायेंगे और मुझे विश्वास है कि जनता फिर से हमें भारी बहुमत से विजयी बनायेगी। ■

न्यूनतम समर्थन मूल्य में शानदार वृद्धि एक किसान-हितैषी कदम : अमित शाह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने कृषि आय दोगुनी करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में अभूतपूर्व वृद्धि कर किसानों को शानदार तोहफा दिया है। एनडीए सरकार ने अरहर, मूंग और उड़द जैसी दलहन फसलों के एमएसपी में 375 रुपये से लेकर 425 रुपये तक वृद्धि की है। यह लगातार दूसरा साल है जब मोदी सरकार ने किसान-हितैषी कदम उठाते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य में शानदार वृद्धि की है। भारतीय जनता पार्टी किसानों के कल्याण के लिए उठाए गए इस कदम का स्वागत करती है और देश के करोड़ों कृषक परिवारों की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करती है। सरकार के इस कदम से देश में दलहन उत्पादन बढ़ेगा जिससे आयात पर निर्भरता घटेगी और विदेश से दाल मंगाने पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा भी बचेगी।

सभी सवा अरब देशवासियों के लिए यह गर्व की बात है कि मोदी सरकार ने मात्र दो साल के कार्यकाल में कई कदम हमारे देश के करोड़ों किसानों की भलाई के लिए उठाए हैं। विश्व व्यापार संगठन में किसानों के हितों की रक्षा से लेकर खेती की लागत घटाने तक कई ऐसे सराहनीय उपाय मोदी सरकार ने किए हैं ताकि देश के किसानों को समृद्ध और खुशहाल बनाया जा सके। किसानों की फसल को प्राकृतिक आपदा से बचाने एवं सुरक्षा देने के लिए 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' नामक एक नई फसल बीमा योजना की शुरूआत की है जिसके तहत किसानों को सभी खरीफ फसलों के लिए बीमित रकम का मात्र दो प्रतिशत, रबी फसलों के लिए 1.5 प्रतिशत और नकदी तथा बागवानी फसलों के लिए 5 प्रतिशत प्रीमियम ही देना होगा। इसके अलावा मोदी सरकार ने 'राष्ट्रीय कृषि बाजार योजना' के तहत एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रोनिक लेन-देन मंच संबंधी योजना भी शुरू की है जिसका उद्देश्य 585 बाजारों को मार्च 2018 तक ई-मार्केट प्लेटफार्म पर लाना है। किसान अपनी फसलें बोने से पहले मिट्टी की जांच कर सकें इसके लिए किसानों को 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' दिए गए हैं। साथ ही 'परंपरागत कृषि विकास योजना' के तहत सरकार जैविक खेती को प्रोत्साहन दे रही है। सिंचाई की सुविधा समय पर और सस्ती लागत से उपलब्ध हो सके इसलिए 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' लागू की जा रही है।

एक भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सरकार कैसे चलायी जाती है और वह गरीबों के लिए कैसे काम करती है यह मोदी सरकार ने विगत दो वर्षों में करके दिखाया है। कांग्रेस की यूपीए सरकार के समय हर रोज घोटालों और भ्रष्टाचार के नए-नए मामले उजागर होते रहते थे।

वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद भारत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से आर्थिक विकास के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किया है, वह दुनिया के लिए आश्चर्यचकित कर देने वाला है। भारत ने वित्त वर्ष 2015-16 की अंतिम तिमाही में रिकार्ड 7.9 प्रतिशत विकास दर हासिल की है, देश के संदर्भ में यह विकास दर हाल के वर्षों में सर्वाधिक है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो भारत की यह विकास दर चीन, अमेरिका, रूस और ब्राजील जैसे देशों के मुकाबले काफी अधिक है। एफडीआई आकर्षित करने के मामले में भी भारत दुनिया के बाकी देशों से कहीं आगे रहा। एफडीआई के मामले में 2013 में भारत का स्थान 15वां, 2014 में 9वां था जबकि 2015 में भारत पहले पायदान पर पहुँच गया। भारत 2015-16 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल करने के मामले में चीन को पछाड़ कर शीर्ष स्थान पर आ गया है। निवेश के अनुकूल माहौल के कारण भारत पहले ही दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था बन चुकी है। इसी तरह भारत वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम द्वारा जारी ग्लोबल कॉम्पेटिटिवनेस इंडेक्स में 16 स्थान ऊपर पहुँचा। 2015-16 में 63 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के साथ भारत दुनिया में इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन का सबसे प्रमुख केंद्र बन गया है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुँच गया है और यह सब पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में केंद्र की भाजपा सरकार के अथक प्रयासों का ही परिणाम है।

एक भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सरकार कैसे चलायी जाती है और वह गरीबों के लिए कैसे काम करती है यह मोदी सरकार ने विगत दो वर्षों में करके दिखाया है। कांग्रेस की यूपीए सरकार के समय हर रोज घोटालों और भ्रष्टाचार के नए-नए मामले उजागर होते रहते थे। कांग्रेस की सरकार घोटालों और भ्रष्टाचार की पर्याय बन गई थी, जबकि हमारे दो वर्षों के कार्यकाल में हम पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लग पाया है, यहां तक कि विपक्षी भी हम पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा सके है। कांग्रेस की जीरो लॉस की थ्योरी के ठीक विपरीत हमने कोयले, टूजी और एफएम बैंड्स की पारदर्शी नीलामी सुनिश्चित की और देश की तिजोरी को लाखों- करोड़ों रुपयों का फायदा पहुँचाया। ■